CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-324
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया
महानता कभी ना गिरने में नहीं है, बल्कि हर बार गिरकर उठ जाने में है.

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शुक्रवार 28 फरवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंडस्ट्रीयल एरिया में भारी पुलिस बल तैनात, रहवासी नाराज, प्रशासन की अपील– किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें, आज से ट्रायल रन

'सुप्रीम इनकार' : भोपाल की यूनियन कार्बाइड फैक्टरी के जहरीले कचरे को लेकर मप्र हाईकोर्ट के आदेश में दखल देने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली/इंदौर/धार। पीथमपुर की रामकी एनवायरो फैक्टरी में ही भोपाल की यूनियन कार्बाइड फैक्टरी का जहरीला कचरा जलाया जाएगा। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दखल देने से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट के फैसले के बाद विशेषज्ञों की निगरानी में यूका का कचरा पीथमपुर में जलाने का फैसला लिया गया था। इसे लेकर विरोध हो रहा था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में रोक लगाने की मांग को लेकर याचिका लगाई गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि वह यूनियन कार्बाइड प्लांट में कचरे के निपटान से संबंधित मामले में हस्तक्षेप नहीं करेगा, क्योंकि इस मामले की निगरानी पहले से ही मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय कर रहा है। मामले में जस्टिस बीआर गवई और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने सुनवाई की है। साथ ही याचिका खारिज हो गई है। इस पूरे मामले को अब मप्र हाईकोर्ट ही देखेगा। हाईकोर्ट के निर्देश के बाद पीथमपुर के इंडस्ट्रीयल एरिया में गुरुवार से कचरा को जलाए जाना था। सुप्रीम कोर्ट से गुरुवार को हरी झंडी मिलने के बाद भोपाल की यूनियन कार्बाइड फैक्टरी के जहरीले कचरे को पीथमपुर स्थित रामकी फैक्टरी में ही नष्ट करने की तैयारी शुरू हो गई है। प्रशासन ने हाईकोर्ट के निर्देशों के मुताबिक गुरुवार को कचरे को नष्ट करने की प्रारंभिक तैयारियां शुरू कर दी। कचरे को शुक्रवार से नष्ट करने का प्लान है। इसी के तहत मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन ने पीथमपुर के रहवासियों से अपील की है कि किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें।

दरअसल, यूका कचरा को लेकर स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे उन पर असर पड़ेगा। इसे लेकर स्थानीय लेवल पर विरोध प्रदर्शन भी हुआ था। हालांकि कंपनी और सरकार का कहना था कि इससे कोई नुकसान है। सभी प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है। एक्सपर्ट की अनुमति के बाद ही यह फैसला लिया गया है। कंपनी ने भी कहा कि हमारे सारे कर्मचारी वहीं रह रहे हैं। उन्हें कोई नुकसान नहीं है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने भोपाल गैस त्रासदी के जहरीले कचरे के निपटान के लिए ट्रायल रन को मंजूरी दे दी है। इसमें 30 मीट्रिक टन कचरा जलाया जाएगा। यह काम तीन चरणों में होगा। पहले चरण में 135 किलो कचरा प्रति घंटा जलाया जाएगा। दूसरे में 180 किलो और तीसरे में 270 किलो प्रति घंटा कचरा जलाया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति विवेक जैन की खंडपीठ ने इस मामले की सुनवाई की थी।

याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने दी यह दलील

सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता देवदत्त कामथ और रितम खरे ने दलील दी कि अब तक इस बात का पूरा अध्ययन नहीं किया गया है कि इस कचरे को जलाने से कितना प्रदूषण होगा। वहीं, इंटरविनर की अधिवक्ता जयश्री नरसिम्हन ने कहा कि हाईकोर्ट में गलत पत्र देकर सरकार ने ट्रायल रन की सहमति हासिल की है। उन्होंने यह भी बताया कि लोकल बॉडी से भी कोई मंजूरी नहीं ली गई है।

सरकार की ओर से दी गई यह दलील

शासन के अधिवक्ता नचिकेत जोशी ने दलील दी कि जून 2023 में केंद्र और राज्य की हाईपावर कमेटी ने इस कचरे को पीथमपुर में जलाने को उपयुक्त माना था और इसी के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि पहले हुए ट्रायल रन की रिपोर्ट में भी कोई समस्या नहीं पाई गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस कमेटी में देश के प्रमुख विशेषज्ञ शामिल हैं, इसलिए इसकी सिफारिशों पर सवाल उठाने की जरूरत नहीं है। चूंकि हाईकोर्ट पहले से इस मामले की मॉनिटरिंग कर रहा है, इसलिए सुप्रीम कोर्ट को इसमें हस्तक्षेप करने की आवश्यकता नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के पास जाने को कहा

सरकार और याचिकाकर्ताओं की दलीलें सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि याचिकाकर्ता अपनी शिकायतें हाईकोर्ट में रखें, क्योंकि हाईकोर्ट ही इस मामले की निगरानी कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कचरे के निपटान का विरोध करने वाली नागरिक संस्थाओं के सदस्यों सहित पीड़ित पक्षों से इस मामले पर सुनवाई कर रहे हाईकोर्ट के पास जाने को कहा। जस्टिस बीआर गवई और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने कहा कि राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (एनईईआरआई), राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के विशेषज्ञों ने मुद्दों पर अपने विचार दिए हैं, जिन पर उच्च न्यायालय के साथ-साथ विशेषज्ञ पैनल ने भी गौर किया है। शीर्ष अदालत ने कचरे के निपटान का विरोध करने वाली नागरिक संस्थाओं के सदस्यों सहित पीड़ित पक्षों से इस मामले पर सुनवाई कर रहे उच्च न्यायालय के पास जाने को कहा।

पहले सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल रन पर लगाई थी रोक

इससे पहले, 25 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट द्वारा 18 फरवरी को दिए गए ट्रायल रन के आदेश पर नाराजगी जताई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जब मामला उसके विचाराधीन था, तो हाईकोर्ट को ट्रायल रन की अनुमति नहीं देनी चाहिए थी। कोर्ट ने सभी पक्षों और विशेषज्ञों की रिपोर्ट 27 फरवरी को तलब की थी, जिससे यह उम्मीद बनी थी कि ट्रायल रन पर रोक लग सकती है। लेकिन सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया।

पीथमपुर में तेज हुआ विरोध, आज से गांधीवादी तरीके से आंदोलन

ट्रायल रन की अनुमति मिलने के बाद पीथमपुर बचाओ समिति और अन्य आंदोलनकारियों में हलचल तेज हो गई है। वे मांग कर रहे हैं कि जब तक हाईकोर्ट उनकी बात नहीं सुन लेता, तब तक ट्रायल रन पर रोक लगाई जाए।

एक तरफ प्रशासन ने कचरे को नष्ट करने की तैयारी शुरू कर दी है तो वहीं, दूसरी ओर पीथमपुर के लोग भी फिर क्रोधित दिख रहे हैं। उनका कहना है कि यह जीवन और मरण का सवाल है। पीथमपुर बचाओ संघर्ष समिति ने शुक्रवार से विरोध करने का ऐलान कर दिया है। पीथमपुर बचाव समिति के संदीप रघुवंशी ने सोशल मीडिया पर संदेश जारी किया है। उन्होंने शहरवासियों से शांति बनाए रखने की अपील की है। वहीं, समिति के अध्यक्ष हेमंत का कहना है कि हम लोग विरोध करेंगे। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने खुद कहा है कि वे लोग अपनी बात हाईकोर्ट में रखें। जब तक हाईकोर्ट में वे लोग अपनी बात नहीं रख पाते, तब तक कचरे को नष्ट करने पर रोक लगनी चाहिए। समिति का यह भी कहना है कि वे लोग गांधीवादी तरीके से विरोध करेंगे। संदीप रघुवंशी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने हमारी बात सुनी और कहा कि आप हाईकोर्ट में अपनी बात रखें। हमारे वकीलों ने बताया कि हम हाईकोर्ट मे अपनी बात मजबूती से रखेंगे और जीत हासिल करेंगे। आगे यह आंदोलन जारी रहेगा। हम हमारे वकीलों से और पीथमपुर के लोगों से बात करेंगे और और जिस तरीके से वह आंदोलन करने को कहेंगे, उस तरीके से आंदोलन को आगे बढाएगे।

फैक्टरी के पास 24 थानों का फोर्स तैनात

कचरा जलाने के ट्रायल को लेकर गुरुवार को प्रशासन सतर्क रहा। 3 जनवरी को हुए विरोध को देखते हुए प्रशासन कोई कोताही नहीं बरतना चाहता है। लिहाजा, इंदौर देहात और धार जिले के 24 थानों से 500 से ज्यादा पुलिसकर्मी पीथमपुर में रामकी एनवायरो फैक्टरी के पास तैनात किए गए हैं। स्थानीय विरोध के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सरकार का दावा है कि कचरा अब जहरीला नहीं है, लेकिन स्थानीय लोग विरोध कर रहे हैं।

इस तरह होगा ट्रायल रन

हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार पहले ट्रायल के तहत 10 टन कचरे का निष्पादन होगा। इसके बाद दूसरा ट्रायल 4 मार्च और तीसरा ट्रायल 5 मार्च से शुरू होगा।

वैज्ञानिक पद्धति से होगा ट्रायल रन

कलेक्टर और एसपी धार मौके पर रहेंगे और हाईकोर्ट के आदेश के तहत ट्रायल रन की प्रक्रिया होगी। यूनियन कार्बाइड के 10 टन कचरे को जलाने की कार्रवाई पूरी तरीके से वैज्ञानिक पद्धति से होगी और उसकी प्रक्रिया आरंभ कर दी गई। इलाके में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

-दीपक सिंह, संभागायुक्त

शांति बनाए रखें

कोर्ट के निर्देश के अनुसार सारी तैयारी की जा रही है। पीथमपुर के लोगों से अपील की गई है कि अफवाहों पर ध्यान न दें। शांति बनाए रखें।

...तो हो जाएं सावधान

रेस्त्रां और सेलर्स की इडली खाने से कैंसर का खतरा, सरकारी जांच में खुलासा

बेंगलुरु। न जाने हम सभी ने कितनी बार इडली खाई होगी। साउथ इंडियन फूड इडली को कभी भी इनसान खा सकता है, फिर चाहे उसे ज्यादा भूख लगी हो या कम। इडली और डोसा तो साउथ इंडिया में ब्रेकफास्ट का काफी अच्छा खाना माना जाता है, लेकिन अब इडली को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। दरअसल, कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया है कि कुछ रेस्त्रां और सेलर्स द्वारा तैयार की गई इडली को खाने से कैंसर भी हो सकता है। इससे न सिर्फ बेंगलुरु के लोग, बल्कि देशभर की जनता सतर्क हो गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, बेंगलुरु में हेल्थ डिपार्टमेंट ने एक जांच की

है, जिसमें यह पता चला है कि कुछ होटल्स, स्ट्रीट वेंडर्स की बनाई गई इडली कितनी जानलेवा है। इसमें स्ट्रीट वेंडर्स और होटल्स के यहां से सैंपल्स लिए गए थे। इसके बाद जांच और लैब में टेस्टिंग करने के बाद पता चला है कि कई सैंपल्स में कैंसरकारी रसायन पाए गए हैं। अधिकारियों ने होटलों और सड़क किनारे की दुकानों से करीब 500 सैंपल्स इकट्ठे किए। प्रयोगशाला जांच में पता चला कि इनमें से 35 नमूनों में कैंसरकारी रसायन पाए गए, जो लोगों में कैंसर का कारण बन सकते हैं। अधिकारी अभी भी सैकड़ों अन्य सैंपल्स के रिजल्ट का इंतजार कर रहे हैं। जब इसकी वजह जानने के लिए अधिकारियों ने होटल्स और स्ट्रीट वेंडर्स के पास गए तो पता चला कि पहले इडली के घोल को सूती कपड़ों पर रखा जाता था, जिसे भाप में पकाने से पहले इडली ट्रे पर रखते हैं। लेकिन अब होटलों ने सूती कपड़े की जगह प्लास्टिक का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि इसी वजह से गर्मी में ये प्लास्टिक ऐसे कैमिकल्स छोड़ते हैं, जिससे कैंसर होने का खतरा बन जाता है। यह मामला सामने आने के बाद कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा है कि सरकार खाना तैयार करने में प्लास्टिक के इस्तेमाल पर पूरी तरह से बैन लगाने के बारे में सोच रही है।

चिकन-मटन और अंडे न खाएं

देश में पहली बार पालतू बिल्लियों की बर्ड फ्लू से मौत, छिंदवाड़ा में अलर्ट

छिंदवाड़ा। अगर आप बिल्ली पालने के शौकीन हैं या आपने घर में बिल्ली पाल रखी है, तो सावधान हो जाइए। पक्षियों में पाया जाने वाला बर्ड फ्लू बिल्लियों में पाया गया है। घटना के बाद मध्यप्रदेश राज्य पशु निदेशालय ने सभी बिल्ली पालकों से सावधानी बरतने की अपील की है। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में बर्ड फ्लू का खौफ फैल गया है, यहां तीन पालतू बिल्लियों की एच5एन1 वायरस के संक्रमण से मौत की पुष्टि हुई है। भारत में यह पहली बार है जब बिल्लियों में बर्ड फ्लू पाया गया है। लैब के नतीजे मिलने के बाद प्रशासन ने आसपास की चिकन और मटन की दुकानों से सैंपल लिए, जहां दो दुकानों में बर्ड फ्लू का वायरस पाया गया। कलेक्टर शीलेंद्र सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत सख्त आदेश

जारी किए हैं। प्रशासन ने संक्रमित पोल्ट्री फार्म और दुकानों के आसपास के एक किलोमीटर के दायरे को संक्रमित क्षेत्र घोषित कर दिया, सभी चिकन की दुकानें और पोल्ट्री फार्म बंद कर दिए। 10 किलोमीटर के दायरे को निगरानी क्षेत्र घोषित किया गया, जिसमें पोल्ट्री फार्म, बैकयार्ड पोल्ट्री, चिकन शॉप और अंडे की दुकानों को प्रतिदिन कीटाणुरहित और सैनिटाइज किया गया। पशु चिकित्सा विभाग और नगर निगम के सहयोग से संक्रमित क्षेत्र में सभी मुर्गियों और मांसाहारी उत्पादों को नष्ट कर दिया गया। संक्रमित क्षेत्र में चिकन और पोल्ट्री उत्पादों की बिक्री और परिवहन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। एहतियात के तौर पर, लोगों के सैंपल लिये गए हैं। एक जिला स्तरीय टीम का गठन किया गया है। संक्रमित बिल्लियों के संपर्क में आने वाले 65 व्यक्तियों के नमूने एच5एन1 परीक्षण के लिए राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान पुणे भेजे गए। सौभाग्य से, सभी 65 नमूनों का परीक्षण नकारात्मक आया, जिससे छिंदवाड़ा में एच5एन1 का खतरा टल गया। प्रशासन ने एहतियात बरतना जारी रखा, मटन मार्केट क्षेत्र से 40,000 अंडे जब्त किए और उन्हें नष्ट कर दिया। इसके अतिरिक्त, 500 मुर्गियों को जब्त कर शहर के बाहर दफना दिया गया।

भोपाल सांसद आलोक शर्मा सीहोर रेलवे स्टेशन पर धोने लगे पान की पीक

सीहोर। भोपाल संसदीय क्षेत्र से सांसद आलोक शर्मा गुरुवार को सीहोर जिला मुख्यालय के दौरे पर आए। इस दौरान वे सीहोर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करने पहुंचे। उनके साथ विधायक सुदेश राय, बीजेपी जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान सांसद आलोक शर्मा को रेलवे स्टेशन पर एक स्थान पर पान की पीक की गंदगी मिली, जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई। सांसद आलोक शर्मा ने तुरंत रेलवे स्टाफ से पानी की बाल्टी और कपड़ा मंगवाया, इसके बाद अपने हाथ से पान की पीक धोना शुरू कर दिया। सांसद शर्मा खुद कपड़े से गंदगी साफ कर रहे थे, जबकि विधायक सुदेश राय पानी डाल रहे थे। उन्होंने सीहोर रेलवे स्टेशन का जायजा लिया और विकास कार्यों को देखा। निरीक्षण के दौरान स्टेशन पर भारी गंदगी देखकर सांसद रेलवे अधिकारियों पर भड़क गए और नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने रेलवे अधीक्षक से कहा- 'सुधर जाइए, लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेंगे। आप निलंबित होंगे। प्रधानमंत्री पूरे देश में साफ-सफाई का संदेश दे रहे हैं और स्वच्छता अभियान चला रहे हैं, और यहां गंदगी हो रही है। अब ऐसा नहीं होना चाहिए, मैं दोबारा विजिट करूंगा।' उन्होंने कहा कि भोपाल-सीहोर की जनता ने मुझे सांसद के रूप में आशीर्वाद दिया है। मैंने खुद प्लेटफार्म की सफाई की। लोग पान खाते हैं और सार्वजनिक स्थानों पर पान की पीक थूक देते हैं, यह गलत है। अब देश बदल रहा है, प्रदेश बदल रहा है, सीहोर बदल रहा है। उन्होंने अधिकारियों से कहा- प्लेटफार्म पर सीढ़ियों पर धूल देखी, सफाई हो रही। लेकिन, धूल नहीं होनी चाहिए। अगली बार जब मैं विजिट करूंगा तो साफ-सफाई की व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाएगा। जो अधिकारी-कर्मचारी अच्छा काम करेंगे, उन्हें आगे बढ़ाया जाएगा और जो व्यवस्था में लापरवाही करेंगे, उन पर सख्त कार्रवाई होगी।निरीक्षण के दौरान यात्रियों ने सांसद से शिकायत की कि कुबेरेश्वर धाम जाने वाले ऑटो चालक निर्धारित 30 रुपये किराया ले रहे हैं, लेकिन ज्यादा सवारियां बैठा रहे हैं। इससे ऑटो पलटने का खतरा बना रहता है। इसके अलावा, ऑटो चालक सवारियों को बैठाने को लेकर आपस में झगड़ते हैं, जिससे यात्रियों का समय नष्ट करते हैं। इस पर सांसद ने जीआरपी थाना टीआई को बुलाकर फटकार लगाई और इस समस्या के समाधान के निर्देश दिए।

भंवरकुआं इलाके में दंपती के साथ लूट की वारदात

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। भंवरकुआं क्षेत्र में बदमाशों ने एक दंपती के साथ लूट की वारदात को अंजाम दिया। बदमाश महिला के हाथ से पर्स छीनकर फरार हो गए, जिसमें आभूषण और नकदी रखे हुए थे। पुलिस ने बुधवार इस मामले में केस दर्ज किया है। भंवरकुआं पुलिस के मुताबिक, मुकेश चौरसिया की शिकायत पर बाइक सवार बदमाश के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मुकेश कंस्ट्रक्शन का काम करते हैं, उन्होंने बताया कि वह पत्नी विद्या के साथ

साली की शादी में शामिल होने बाहर गए थे। उन्होंने अपनी मोपेड रेलवे स्टेशन पर पार्क की थी। शादी से लौटने के बाद, जब वे घर के लिए निकले तो राजीव गांधी चौराहे के पास एक बाइक सवार बदमाश ने उनकी मोपेड रोकी और विद्या के हाथ से पर्स छीन लिया। इस दौरान मुकेश ने बदमाश को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन उसने विद्या को धक्का देकर खुद को छुड़ा लिया और पर्स लेकर भाग गया। धक्का लगने से दंपती सड़क पर गिर गए। पीड़ित के अनुसार, पर्स में दो मोबाइल, सोने के आभूषण, कुछ नकदी और जरूरी दस्तावेज थे। पुलिस ने यूनिटी मॉल के पास लगे सीसीटीवी खंगाले हैं, जिसमें संदेही बब्लू पिता धनीराम वसंत वाल निवासी अर्जुन पूरा मल्टी को पकड़ा और अन्य आरोपियों की तलाश जारी हैं।

उधर, राजेंद्र नगर में भी आईपीएस कॉलेज की महिला चपरासी के साथ लूट की वारदात हो गई। पुलिस के मुताबिक घटना रजनी निवासी महू के साथ हुई। वह 25 फरवरी को छुट्टी होने के चलते वह कॉलेज से निकलकर अपने घर जा रही थी। तभी आईपीएस कॉलेज मे अंदर की तरफ से दो लड़के आए। तब रजनी बस स्टेंड पर खड़ी थी। बाइक सवार पीछे बैठे लड़के ने मोबाइल लूटा और फरार हो गए।

इस दौरान दो महिला सहकर्मी भी घटना के समय मौजूद थी। मामले में बुधवार पुलिस ने केस दर्ज किया है। राजेन्द्र नगर पुलिस ने लूटपाट करने वाले राज और कुछ अन्य संदेहियों को हिरासत में लिया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख संगठन भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में जमीन अधिग्रहण के खिलाफ प्रदर्शन

किसानों ने घेरा कलेक्टर कार्यालय

बिस्तर-भोजन लाए, बोले- अब नहीं उठेंगे

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। किसानों की खेती की जमीन अधिग्रहित करने के विरोध में गुरुवार से इंदौर कलेक्टर कार्यालय का घेराव शुरू हो गया है। यहां बड़ी संख्या में किसान विरोध पर बैठे हैं और कई प्रमुख संगठनों का इन्हें समर्थन मिल रहा है। आउटर रिंग रोड के पूर्वी-पश्चिमी हिस्से के साथ ही कई अन्य परियोजनाओं के लिए सरकार किसानों की कृषि भूमि ले रही है। इसके खिलाफ पिछले एक साल से लगातार आंदोलन और विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं। भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में आज से शुरू हुए इस शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में किसान शामिल हैं। इसके लिए किसानों ने गांव-गांव अभियान चलाया है। किसानों का कहना है कि भूमि अधिग्रहण की मनमानी नीति के खिलाफ यह प्रदर्शन किए जा रहे हैं। सरकार द्वारा लगातार मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है। इसी वजह से ग्रामीण किसान, मजदूर आंदोलन के लिए मजबूर हुए हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक और भारतीय किसान संघ के मालवा प्रांत संगठन मंत्री अतुल महेश्वरी, संभाग अध्यक्ष कृष्णपालसिंह राठौड़ महानगर अध्यक्ष दिलीप मुक्ति, जिलाध्यक्ष राजेंद्र पाटीदार के नेतृत्व में यह आंदोलन हो रहा है। राजनीति से ऊपर उठकर सारे किसान इस आंदोलन को अपना समर्थन दे रहे हैं।

पूरी तैयारी से आए हैं किसान

आंदोलन के लिए किसान पूरी तैयारी से आए हैं। आंदोलन अनिश्चितकाल के लिए हुआ तो उसकी तैयारी के लिहाज से किसान खाने-पीने की सारी सामग्री और रात्रि विश्राम के लिए बिस्तर लेकर पहुंचे हैं। किसानों का कहना है अन्नदाता किसान अफसर और शहर वासियों को खुले मन और बड़े दिल से खाना खिलाएंगे।

अत्याचार का शिकार होना पड़ रहा है

किसान नेता सिंगाराम चौधरी के मुताबिक कैसी विडंबना है किसानों को अत्याचार का शिकार होना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री से लेकर नीति आयोग के पदाधिकारी तक खेती-किसान को राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ बताते हैं दूसरी ओर उन्हीं की सरकार दलित-आदिवासी सहित सभी किसानों, उपजाऊ भूमि और पर्यावरण का संरक्षण करने वाली ग्रामीण सनातनी संस्कृति को विकास के कुचक्र के नाम पर जमींदोज कर रही है। इसी का नतीजा है कि किसानों को उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ रहा है। किसान नेताओं का कहना है सरकार को मांगों से संबंधित ज्ञापन कई बार दिए जा चुके हैं, जिन्हें गंभीरता से नहीं लिया गया, इसलिए किसान लामबंद हुए हैं। काफी विचार के बाद कुछ दिन पहले भारतीय किसान संघ की उच्चस्तरीय बैठक में बड़े आंदोलन का फैसला लिया गया था। किसान संघ के कृष्णपालसिंह का कहना है भूमि अधिग्रहण पर सरकार की नीयत और नीति के खिलाफ किसान ताकत के साथ तब तक आंदोलन करेंगे, जब तक निर्णय नहीं होता। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश सरकार की मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख संगठन भारतीय किसान संघ को अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा लेना पड़ रहा है।

संघ कार्यालय पर बनी रणनीति

आंदोलन की रूपरेखा और रणनीति के लिए किसान संघ के प्रदेश स्तर के बड़े अधिकारियों और प्रचारकों की एक बड़ी मैराथन बैठक कुछ दिनों पहले रामबाग स्थित संघ कार्यालय पर हुई थी। इसमें संघ के प्रदेश अध्यक्ष कमलसिंह आंजना व संगठन मंत्री अतुल महेश्वरी भी थे। आंदोलन में इंदौर, उज्जैन, देवास, धार, खरगोन, खंडवा आदि जिलों के दलित, आदिवासी और अन्य वर्गों के किसान मजदूर शामिल हैं। इधर पश्चिमी रिंग रोड के खिलाफ किसानों द्वारा जगह-जगह सरकारी अमले का विरोध किया जा रहा है। कलेक्टर के निर्देश पर सर्वे चल रहा है इसके खिलाफ एकजुट होकर सर्वे नहीं होने दे रहे हैं। किसानों और सरकार के बीच संघर्ष की स्थिति बढ़ती जा रही है।

हर तहसील पर जाकर आवाज उठाई

इससे पहले गांव-गांव में जनजागरण किया गया। संभाग या मालवा प्रांत में हर तहसील कार्यालय में सरकार के नाम ज्ञापन दिया गया। घेराव और धरना प्रदर्शन भी हुआ। जिला स्तर पर 27 फरवरी को कलेक्टर का घेराव धरना प्रदर्शन करने का निर्णय हुआ था। बावजूद सरकार ने किसान भाइयों की अनदेखी की। भारतीय किसान संघ के इस आंदोलन की जानकारी देते हुए किसान संघ के प्रचार-प्रसार प्रमुख राहल मालवीय ने बताया खेती-किसानी की राष्ट्र और समाज के साथ पर्यावरण संरक्षण में महत्व को केंद्र में रखते हुए उपजाऊ भूमि को बचाना राष्ट्र के विकास के लिए गंभीर चिंता का विषय है। राष्ट्रहित में किसान संघ की मांग है मध्यप्रदेश में भूमि अधिग्रहण कानून 2013 को उसके मूल स्वरूप में लागू किया जाए।

यह है किसानों की प्रमुख मांगें

-इंदौर में पूर्वी एवं पश्चिमी रिंग रोड का जॉइंट सर्वे तत्काल बंद हो।

-केंद्रीय भू-अधिग्रहण कानून 2014, राज्य में अतिशीघ्र लागू किया जाए।

-12 वर्षों से गाइडलाइन बढ़ी है। प्रति वर्ष 20त्न के हिसाब से गाइडलाइन बढ़ाएं।

-बढ़ी गाइडलाइन का चार गुना मुआवजा दिया जाए।

- इंदौर में आउटर रिंग रोड के लिए जारी राजपत्र को निरस्त कर गाइडलाइन बढ़ाकर नया राजपत्र जारी किया जाए।

- किसानों की सहमति के बिना कोई अधिग्रहण प्रक्रिया आगे न बढ़ाई जाए।

-सभी विकास प्राधिकरणों को भंग किया जाए क्योंकि इनका गठन जिस उद्देश्य के लिए हुआ था, वे उससे भटक चुके हैं।

किडनैप हुआ इंदौर का व्यापारी और

तीन अपहरणकर्ता भिंड में मिले

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। किडनैप हुए इंदौर के व्यापारी का पता पुलिस ने लगा लिया है। व्यापारी और तीन अपहरणकर्ता भिंड में मिले। आनलाइन सट्टा गेम का पैसा नहीं देने पर अपहरण की कहानी सामने आई है। व्यापारी को पुलिस इंदौर लेकर आ रही है। एरोड्रम क्षेत्र में रहने वाले व्यापारी पवन जैन जयपुर व्यापार के सिलसिले में गए थे,लेकिन 19 फरवरी के दिन पवन की पत्नी के पास कॉल आया। एक व्यक्ति ने तीन लाख रुपये की डिमांड की और पैसा नहीं देने पर पवन की हत्या की धमकी भी दी। आरोपी ने पवन की बात भी उसकी पत्नी से कराई। इसके बाद पत्नी ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस सक्रिय हुई और पवन के मोबाइल फोन से उसकी लोकेशन निकाली। पवन की पत्नी को एक अकाउंट नंबर भी अपहरण करने वालों ने दिया था। पुलिस ने उसकी जांच की तो वह पचोर में रहने वाले गजराज अहिरवार का निकला। पुलिस ने इसके आधार पर कड़ियां जोड़ते हुए पवन तक पहुंची। पवन जैन पर लाखों रुपया का कर्ज है और वह आनलाइन गेम व सट्टा भी खेलता था। पवन ने आरोपी गजराज और उसके एक रिश्तेदार के तीन लाख रुपये सट्टे में लगवा दिए थे, लेकिन फायदा नहीं हुआ। आरोपी पवन से पैसा लौटाने का दबाव बना रहे थे। नहीं देने पर दोनो ने पवन को पकड़ा और उसकी पत्नी को कॉल लगाकर पैसे मांगे। इसके बाद आरोपी पवन को भिंड की तरफ लेकर गए थे। पत्नी की शिकायत के बाद पुलिस ने उसका पीछा कर वहां से धरदबोचा।

डीसीपी विनोद मीणा के मुताबिक पवन जैन के अपहरण में गजराज अहिरवार उसके रिश्तेदार बाबूलाल वर्मा व एक अन्य को पकड़ा है। पवन को कर्ज के बाद ऑनलाइन सट्टा खेलने की आदत थी। उसने गजराज के करीब 50 हजार रूपए ऑनलाइन सट्टे में लगवा दिए थे। गजराज ने उसे मिलने बुलाया ओर चाचा बाबूलाल वर्मा से भी करीब 2 लाख रुपए सट्टे में लगाए। जब दोनों के लगाए गए रुपए में प्रॉफिट नहीं आया तो आरोपियों ने पवन का अपहरण की बात कर उसके मोबाइल से पत्नी आरती को कॉल किया। जिसके बाद उसे लेकर शिवपुरी तरफ चले गए।

सफाई व्यवस्था का जायजा लेने सुबह पांच बजे सड़क पर उतरे मेयर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। सफाई व्यवस्था का जायजा लेने महापौर पुष्यमित्र भार्गव सुबह 5 बजे सड़कों पर निकले। उन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर सफाई व्यवस्था देखने के साथ ही हाजरी पाइंट पहुंचकर सफाई कर्मचारियों से बातचीत भी की। स्वच्छ सर्वेक्षण को लेकर नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी दिनरात मैदान में है। शहर को आठवीं बार भी नंबर वन बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे है। बुधवार को महाशिवरात्रि का पर्व था। कई जगह भंडारे, प्रसाद वितरण सहित अन्य आयोजन हुए थे। इसके चलते सफाई की व्यवस्था को देखने के लिए महापौर खुद सुबह 5 बजे सफाई व्यवस्था जायजा लेने के लिए मैदान में निकले। शहर की सड़कों पर उन्होंने सफाई व्यवस्था को देखा। शहर में सफाई व्यवस्था का दौरा करने के बाद महापौर हाजरी सेंटर पहुंचे। यहां उन्होंने कर्मचारियों का हाजरी रजिस्टर चेक किया। इस दौरान सफाई कर्मचारियों से संवाद भी किया। उन्होंने सफाई को लेकर कर्मचारियों से बातचीत भी की और उनके काम को लेकर उनका हौसला अफजाही किया। महापौर ने देखा की कैसे सफाई कर्मचारियों ने महाशिवरात्रि के भंडारे और प्रसाद वितरण के बाद कुछ ही घंटों में शहर के स्वच्छ कर दिया। सफाई व्यवस्था देखने के लिए महापौर भार्गव हरसिद्धी, अग्रसेन चौराहा, नवलखा, अन्नपूर्णा क्षेत्र सहित अन्य स्थानों पर पहुंचे और वहां की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। बताया जा रहा है कि जहां कुछ कमी पेशी लगी वहां महापौर ने कर्मचारियों को समझाइश भी दी। गौरतलब है कि स्वच्छ सर्वेक्षण को लेकर टीम कभी भी इंदौर आ सकती है। इसके चलते सभी अधिकारी-कर्मचारी मैदान संभाले हुए है।

एमडी ड्रग के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

200 ग्राम एमडी ड्रग मिली

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर की तेजाजी नगर पुलिस ने एमडी ड्रग के साथ दो आरोपियों को पकड़ा है। आरोपी पुलिस को देखकर भाग रहे थे। लेकिन पीछा करने पर वह थोड़ी दूर जाकर गिर गए। आरोपियों के पास से करीब 200 ग्राम एमडी ड्रग मिली है। वह इसकी डिलीवरी किसी को देने आए थे। मामले मे पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। तेजाजी नगर पुलिस ने विजय पाटीदार निवासी मंदसौर और शाहनवाज शेख निवासी आजाद नगर को पकड़ा है। पुलिस के मुताबिक उन्हें सूचना मिली थी कि आसाराम बाबू चौराहे के आगे बाइक सवार दो बदमाश जा रहे है। उनके पास नशा रखा है। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। वहीं इंदौर क्राइम ब्रांच ने भी अल्प्राजोलम टैबलेट के साथ 4 आरोपियों को पकड़ा है। क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के मुताबिक फरहान कुरैशी निवासी चंदन नगर, मोहम्मद अली निवासी सदर बाजार, मोहम्मद हुसैन और कृतकार्य शारदा मेडिकल संचालक महू को पकड़ा है। आरोपियों के पास से करीब 1365 अल्प्राजोलम टैबलेट मिली है। क्राइम ब्रांच मामले में आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

कारोबारी ने फैक्टरी में फांसी लगाकर कर ली खुदकुशी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में एक कारोबारी ने अपनी फैक्टरी में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना बुधवार रात बाणगंगा इलाके में हुई। कर्मचारियों ने जब उन्हें देखा, तो तुरंत पुलिस को सूचित किया। बताया जा रहा है कि वे लंबे समय से पारिवारिक तनाव में थे और कुछ पारिवारिक समस्याओं का सामना कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक, यह घटना मधुंचल रोलिंग फैक्टरी के मालिक अनिल जैन (65), जो कंचन बाग इलाके के निवासी थे, की है। वे बुधवार रात लगभग 11 बजे अपनी फैक्टरी पहुंचे थे, और वहां ऑफिस में उन्हें फांसी से लटका हुआ पाया गया। कर्मचारियों ने उन्हें तत्काल अरविंदो अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अनिल जैन इंदौर के एक प्रमुख कारोबारी थे और उनका व्यापार कई बड़ी कंपनियों के साथ था। वे मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए माल की सप्लाई भी करते थे। उनके व्यापार का दायरा बहुत बड़ा था और उनका नाम इंदौर के प्रमुख कारोबारियों में गिना जाता था। पुलिस ने बताया कि अभी तक परिवार के बयान दर्ज नहीं हो पाए हैं, लेकिन पारिवारिक विवाद के कारण वह मानसिक तनाव का सामना कर रहे थे। सूत्रों के अनुसार, अनिल जैन का एक बेटा है, जिसकी कुछ समय पहले शादी हुई थी। इस शादी को लेकर परिवार में आपसी विवाद चल रहा था, और यही विवाद उन्हें डिप्रेशन की ओर ले गया था। पुलिस का कहना है कि परिवार के बयान दर्ज होने के बाद ही मामले की पूरी स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

मठ-मंदिर पुजारी संगठन ने अधिकारियों पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मठ-मंदिर पुजारी संगठन ने मध्यप्रदेश शासन के अधिकारियों पर मंदिरों के कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। संगठन का कहना है कि शासन द्वारा मंदिर और मंदिर संपत्ति/भूमि को सरकारी नियंत्रण में लेने से धार्मिक संप्रदाय के मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है।संगठन ने माननीय उच्च न्यायालय इंदौर में रिट याचिका दायर की है, जिसमें उन्होंने मध्यप्रदेश शासन धर्मस्व विभाग, राजस्व विभाग, आयुक्त इंदौर, कलेक्टर इंदौर को नोटिस जारी करने की मांग की है। संगठन के अध्यक्ष ऋषभ बैरागी ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन के अधिकारी मंदिरों की भूमि पर अवैध कब्जा कर रहे हैं और मंदिरों की संपत्ति का दुरुपयोग कर रहे हैं। संगठन ने माननीय उच्च न्यायालय से प्रार्थना की है कि धार्मिक संप्रदाय के पुजारियों को अनुच्छेद 26 में प्राप्त मौलिक अधिकार लागू किया जाए और मंदिरों को वगीर्कृत कर अतिक्रमण कब्जा भूमियों से हटाकर मंदिरों को सरकारीकरण से मुक्त किया जाए।

मठ-मंदिर पुजारी संगठन ने मंदिरों को सरकारीकरण से मुक्त करने की मांग की है। आरोप है कि मठ-मंदिर पुजारी संगठन धार्मिक संप्रदाय जैसे शैव संप्रदाय, वैष्णव संप्रदाय, दशनामी संप्रदाय, रामानंद संप्रदाय, निंबार्क संप्रदाय आदि से संबंधित पुजारियों का समूह है। इन पुजारियों को संविधान के अनुच्छेद 26 के अंतर्गत मौलिक अधिकार प्राप्त है। शासन द्वारा मंदिर संपत्ति और जमीन को सरकारी नियंत्रण में लेकर धार्मिक संप्रदाय को प्राप्त मौलिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है। संगठन ने इसे लेकर हाई कोर्ट में याचिका लगाई है।

इंदौर, उज्जैन, देवास, गुना, ग्वालियर, धार, रतलाम, नीमच, मंदसौर, खंडवा, खरगोन, झाबुआ, शाजापुर, राजगढ़, आगर मालवा आदि जिलों में लगभग 50,000 मंदिर और 1 लाख हेक्टेयर मंदिर जमीन प्रदेश स्तर पर मौजूद हैं। संगठन ने चेतावनी दी है कि अगर शासन अपनी मनमानी मंदिरों पर जारी रखता है, तो हिंदू मंदिर की सरकारीकरण से मुक्ति हेतु मठ मंदिर पुजारी संगठन प्रदेश स्तर पर ह्लमंदिर मुक्ति अभियानह्व शुरू करेगा। संगठन के अध्यक्ष ऋषभ बैरागी ने बताया कि वर्तमान में धर्मस्व विभाग कलेक्टर के माध्यम से मंदिर और मंदिर भूमियों का प्रबंधन करता है। सरकारी नियंत्रण के बावजूद मंदिर और मंदिर भूमियों का कुप्रबंधन जारी है। यहां कई तरह की विसंगतियां और कुप्रशासन है। इसके सारे दस्तावेज संगठन के पास उपलब्ध हैं।

कुबेरेश्वरधाम में रुद्राक्ष महोत्सव में बढ़ी श्रद्धालुओं की भीड़, जायजा लेने पहुंचे भोपाल सांसद

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। सीहोर में कुबेरेश्वरधाम में रुद्राक्ष महोत्सव का आयोजन हो रहा है। गुरुवार को महोत्सव का तीसरा दिन था। यह धाम 12 ज्योतिर्लिंगों के मध्य स्थित है और लाखों श्रद्धालु भगवान शिव की भक्ति में लीन हैं। कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने शिवरात्रि का महत्व बताते हुए कहा कि फाल्गुन मास की चतुर्दशी को शिवलिंग प्रकट हुआ था, जिसे शिवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। कुबेरेश्वर धाम में बढ़ती भीड़ को लेकर भोपाल सांसद आलोक शर्मा गुरुवार को सीहोर रेलवे स्टेशन पहुंचे। उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहां फैली गंदगी को देखकर उन्होंने नाराजगी जताई और खुद सफाई भी करने लगे। उन्होंने रेलवे अधीक्षक से कहा कि सुधार कीजिए, लापरवाही बर्दाश्त नही करेंगे, आप निलंबित होंगे। देश में प्रधानमंत्री मंत्री स्वच्छता अभियान चला रहे हैं। इस दौरान रेलवे यात्रियों ने सांसद से शिकायत कर बताया कि ऑटो में ज्यादा सवारी

बैठाई जाती हैं जिससे ऑटो पलटने का डर रहता है। इस बात को लेकर सांसद ने जीआरपी थाना टीआई को बुलाकर फटकार लगाई। सांसद ने रेलवे स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों का जायजा भी लिया।

श्रद्धालु सालभर करते हैं इंतजार

पंडित मिश्रा ने बताया कि कुबेरेश्वरधाम के रुद्राक्ष महोत्सव का इंतजार श्रद्धालु पूरे वर्ष करते हैं। हजारों भक्त इस महोत्सव में अपनी मनोकामनाओं के साथ आते हैं, जैसे संतान प्राप्ति, नौकरी में सफलता और स्वास्थ्य लाभ। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की आराधना करने वाला भक्त कभी दुखी नहीं रहता और भोलेनाथ की भक्ति में अद्भुत शक्ति है, जो जीवन का पासा पलट सकती है। हरदा से आई एक महिला ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कथा सुनने से उनके पति ने शराब छोड़ दी और उनका परिवार सुखी हो गया। इस प्रकार के अनेक श्रद्धालु अपनी आस्था और विश्वास के साथ कथा का श्रवण कर रहे हैं।

अतिरिक्त टेंट और पंडाल लगाना पड़े

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए बुधवार को तीन डोम और 15 टेंट पूरी तरह भरे गए, जिसके बाद गुरुवार को अतिरिक्त टेंट और पंडाल लगाए गए। विठलेश सेवा समिति के समर्पित कार्यकर्ता और प्रशासन मिलकर श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे हैं। रेलवे स्टेशन पर भी भोजन भंडारे की व्यवस्था की गई है, जहां नगर इकाई और श्रद्धालु सेवा कार्य में सक्रिय हैं। महाशिवरात्रि के इस पावन पर्व पर कुबेरेश्वरधाम में आस्था, भक्ति और सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है, जहां लाखों श्रद्धालु भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने पहुंचे हैं।

200 क्विंटल से अधिक प्रसाद का वितरण

महोत्सव में भक्तों के लिए 200 क्विंटल से अधिक प्रसाद का निःशुल्क वितरण किया जा रहा है, जिसमें खीर, फलहारी मिक्सचर, खिचड़ी और 20,000 से अधिक छाछ के पाउच शामिल हैं। कथा के दौरान पंडित मिश्रा ने बताया कि देशभर से सेवादार सेवा कार्य में सहयोग कर रहे हैं। मालेगांव से आए सैकड़ों लोग प्रसाद वितरण में मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेवा करने वालों को भगवान अवश्य फल देते हैं।

भोपाल एयरपोर्ट का कमाल

48 घंटे में 52 प्राइवेट जेट्स, चार्टर्ड प्लेन और रेगुलर फ्लाइट्स उड़ीं

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। राजधानी के राजा भोज एयरपोर्ट ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान कमाल का काम दिखाया। एयरपोर्ट ने कई विमानों की आवाजाही को बड़ी कुशलता से संभाला। इस दौरान एक अंतर्राष्ट्रीय उड़ान और 52 प्राइवेट जेट (आने और जाने दोनों) एयरपोर्ट पर आए। लगभग 15 प्राइवेट जेट 24 और 25 फरवरी को एयरपोर्ट पर ही रुके रहे। भोपाल एयरपोर्ट के डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने बताया कि दुबई से एक चार्टर्ड फ्लाइट आई थी। अवस्थी ने कहा कि सभी उड़ानों को पूरी सुविधाएं दी गईं। नियमित उड़ानें भी इन अतिरिक्त उड़ानों के साथ बिना किसी रुकावट के चलती रहीं। अवस्थी ने यह भी कहा कि अब हम किसी भी तरह की उड़ानों के लिए पूरी तरह तैयार हैं, भोपाल एयरपोर्ट ने यह साबित कर दिया है।

बहुत अच्छा तालमेल दिखाया

जीआईएस के दौरान, एयरपोर्ट स्टाफ ने दुबई से आए एक इंटरनेशनल चार्टर्ड फ्लाइट और बीस प्राइवेट जेट्स को संभालने के लिए बहुत अच्छा तालमेल दिखाया। दुबई की फ्लाइट में तीन यात्री थे जो समिट में शामिल होने आए थे। एयरपोर्ट पर 24 और 25 फरवरी को काफी ज्यादा काम का बोझ था, क्योंकि पंद्रह प्राइवेट जेट रातभर वहीं खड़े रहे। इतनी व्यस्तता के बावजूद, एयरपोर्ट ने अपनी नियमित व्यावसायिक उड़ानों का शेड्यूल बिना किसी देरी या रुकावट के बनाए रखा।

बिना रुके काम करती रहीं टीम

ग्राउंड हैंडलिंग टीम ने बिना रुके

काम किया ताकि सभी काम सुचारू रूप से चलते रहें। उन्होंने सभी विमानों के लिए ईंधन भरने, मेंटेनेंस चेक और यात्रियों की देखभाल जैसी सभी जरूरी सेवाएं दीं। एयर ट्रैफिक कंट्रोल टॉवर ने बढ़े हुए टेकऑफ और लैंडिंग को बड़ी कुशलता से मैनेज किया। अवस्थी ने आगे बताया, एयरपोर्ट का इन्फ्रास्ट्रक्चर एक साथ कई तरह के विमानों को संभालने के लिए पर्याप्त साबित हुआ। पार्किंग बे में प्राइवेट जेट के साथ-साथ नियमित व्यावसायिक विमानों के लिए भी जगह रही। टर्मिनल बिल्डिंग ने अतिरिक्त यात्रियों को सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए कुशलता से संभाला।

30 दिन में डेढ़ लाख ने किया सफर

एमपी में भोपाल के राजाभोज इंटरनेशनल एयरपोर्ट चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में डेढ़ करोड़ यात्री संख्या की लिमिट पार कर चुका है। 2023-24 में यात्रियों की वार्षिक संख्या 1 करोड़ 20 लाख दर्ज हुई थी। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान 24 फरवरी को 50 से ज्यादा चार्टर्ड और 32 विमानों का आवागमन हुआ। रविवार और सोमवार को 6, 273 यात्रियों की संख्या दर्ज की गई। जनवरी महीने में भी यात्री संख्या डेढ़ लाख से ज्यादा दर्ज की गई है। यह पहला मौका है जब भोपाल एयरपोर्ट पर इतनी संख्या में यात्रियों के फुटफॉल दर्ज हुए हैं। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने बताया कि डायरेक्टर जनरल सिविल एविएशन की तरफ से भोपाल एयरपोर्ट को कस्टम क्लीयरेंस जारी किया जा चुका है जिसे जल्द ही इंटरनेशनल विमान सेवाएं शुरू होने की उम्मीद की जा रही हैं। एयरपोर्ट पर नाइट लैंडिंग सुविधा और कार्गो फैसिलिटी भी एक्सटेंशन मोड में लाई गई है। भोपाल एयरपोर्ट पर जनवरी के महीने में 78170 हवाई यात्रियों ने अलग-अलग शहरों के लिए यात्रा की। इसी प्रकार 72959 यात्रियों ने अलग-अलग शहरों से भोपाल आगमन किया। जनवरी के महीने में 576 विमानों का भोपाल आगमन हुआ। इतनी ही संख्या में भोपाल से विमान की रवानगी हुई।

हाल ही में उपराष्ट्रपति एवं अन्य वीआइपी के आगमन के दौरान सर्वाधिक 40 से ज्यादा चार्टर्ड विमान एयरपोर्ट पर लैंड किए गए। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने बताया कि इंडिगो और एयर इंडिया द्वारा दिल्ली, मुंबई, पुणे, बेंगलुरु, हैदराबाद, लखनऊ, प्रयागराज, रायपुर, इंदौर, गोवा जैसे शहरों के लिए डायरेक्ट कनेक्टिविटी दी जा रही है

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने की नानाजी देशमुख के योगदान की सराहना

भोपाल। नानाजी देशमुख की 15वीं पुण्यतिथि के मौके पर चित्रकूट में हुए कार्यक्रम में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शामिल हुए। इस अवसर पर अमित शाह ने चित्रकूट में 'नवीनीकृत प्रकल्प राम दर्शन' का रिमोट से लोकार्पण किया। इस अवसर पर अमित शाह ने नानाजी देशमुख के योगदानों की सराहना करते हुए उनकी ग्राम स्वराज की अवधारणा को आज भी प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा कि उनका स्वराज का सिद्धांत आज भी गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रेरणादायक है। शाह ने कहा कि नानाजी देशमुख जैसे महान व्यक्तित्वों ने हमेशा राष्ट्रप्रथम की विचारधारा को अपनाया और समर्पित होकर देश की सेवा की। अमित शाह ने आगे कहा कि कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो अपनी जीवनशैली और कार्यों से समाज पर गहरी छाप छोड़ते हैं और युग परिवर्तन का कारण बनते हैं। नानाजी देशमुख उन महान व्यक्तियों में से एक थे। कार्यक्रम में केंद्रीय गृहमंत्री ने नए राम दर्शन और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की नई मूर्ति का अनावरण किया। शाह ने कहा कि यहां तीन बड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। नानाजी देशमुख की पुण्यतिथि, अंत्योदय विचारधारा पर मंथन और चित्रकूट के विकास का संकल्प। नानाजी ने पूरे तीर्थ क्षेत्र को जीवंत किया है। उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने एक सच्चे राष्ट्र सेवक को भारत रत्न से सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित हुए। उन्होंने नानाजी देशमुख के जीवन के संघर्षों और उनके कार्यों को याद करते हुए बीजेपी नेताओं ने उनके योगदान को प्रेरणास्पद बताया।

बता दें नानाजी देशमुख का जन्म 11 अक्टूबर 1916 को महाराष्ट्र के हिंगोली जिले के कडोली में हुआ था। उनका परिवार मराठी भाषी ब्राह्मण था। अपनी शिक्षा के लिए पैसे जुटाने के लिए उन्होंने सब्जी बेचने तक का काम किया। नानाजी ने सीकर में हाई स्कूल की पढ़ाई की, जहां उन्हें रावराजा से स्कॉलरशिप प्राप्त हुई। इसके बाद नानाजी ने बिड़ला कॉलेज में अपनी उच्च शिक्षा जारी रखी और साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गए। 1952 में जनसंघ की स्थापना के बाद नानाजी को उत्तर प्रदेश में जनसंघ का कार्य सौंपा गया।

वन नेशन,वन इलेक्शन पर बोले शिवराज- बार-बार चुनाव विकास में अड़चन

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। केंद्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में एक कार्यक्रम के दौरान वन नेशन, वन इलेक्शन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बार-बार चुनाव होने से विकास कार्यों में रुकावट आती है। शिवराज ने कहा कि अपने देश में और कुछ हो या ना हो, लेकिन सारे राजनीतिक दल पांच साल, 12 महीने, हर सप्ताह और 24 घंटे एक चीज की तैयारी करते रहते है और वह है अगला चुनाव। शिवराज ने कहा कि उसी की तैयारी में लगे रहते है। शिवराज ने कहा कि सरकारें चुनावी लाभ को ध्यान में रखते हुए नीतियां बनाने में व्यस्त हो जाती हैं, जिसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण और लंबी अवधि के विकास कार्यों में देरी हो जाती है। इससे सरकार कड़े फैसले भी नहीं ले पाती, जिससे लंबे समय के विकास कार्य प्रभावित होते है। केंद्रीय मंत्री ने उदाहरण देते कहा कि पिछले साल नवंबर-दिसंबर में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधानसभा चुनाव हुए। विधानसभा चुनाव की थकान उतरी नहीं थी कि चार महीने बाद लोकसभा चुनाव का एलान हो गया। इसके चलते विधानसभा चुनाव से लेकर लोकसभा चुनाव संपन्न होने तक कोई काम नहीं हुए। इसके बाद दूसरे राज्यों में चुनाव शुरू हो गए। चौहान ने कहा कि बार-बार चुनावी प्रक्रिया में व्यस्त रहना सरकारी योजनाओं और प्रशासनिक कार्यों को प्रभावित करता है। चुनावों की व्यस्तता के कारण विकास योजनाओं को गति मिलनी मुश्किल हो जाती है। उन्होंने अलग-अलग चुनाव में लाखों करोड़ों रुपए के खर्च का उपयोग विकास कार्यों में करने की भी बात कही। चौहान ने कहा कि ह्यवन नेशन, वन इलेक्शनह्न की योजना को लागू करने में कोई कानूनी रुकावट नहीं है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति ने इस विषय पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है, जिसमें इस विषय से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान दिया गया है। उन्होंने जनता, विशेष रूप से युवाओं से अपील की कि वे राजनीतिक दलों पर दबाव बनाए, ताकि संसाधनों की बचत की जा सके और देश में एक साथ चुनाव कराए जा सकें।

10 मार्च से शुरू होने वाले विधानसभा के बजट सत्र के लिए तेज हुई तैयारी

भोपाल। विधानसभा के 10 मार्च से शुरू होने वाले बजट सत्र के लिए विधानसभा सचिवालय में तैयारियां तेज हो गई हैं। इस बीच सत्र के पहले विधायकों ने विधानसभा सचिवालय के जरिए मोहन यादव सरकार से 1785 ऑनलाइन और 1154 ऑफ लाइन सवालों के के जवाब मांगे हैं। जिसमें 1448 तारांकित और 1491 अतारांकित सवाल शामिल हैं। इस तरह कुल 2939 सवाल हुए हैं। विधानसभा की प्रक्रिया को हाईटेक बनाने की कार्यवाही के बीच बजट सत्र के पहले ऑनलाइन सवाल पूछे गए हैं। वहीं आफ लाइन सवाल करके भी विधायकों ने सरकार से जवाब चाहा है। अब तक के सबसे छोटे बजट सत्रों में शामिल होने वाला मोहन सरकार का यह बजट सत्र सिर्फ नौ दिन चलेगा। इस सत्र के दौरान होली और रंगपंचमी जैसे त्योहार भी पड़ेंगे। ऐसे में सत्र के दौरान विधायकों की मौजूदगी भी कम रहने की संभावना जताई जा रही है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के चलते 15 दिन आगे बढ़ाई गई बजट सत्र की तारीख को लेकर कांग्रेस पहले ही विरोध जता चुकी है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मिलकर उन्हें पत्र सौंप चुके हैं और सत्र की अवधि बढ़ाने की मांग कर चुके हैं। 15 दिन के बजट सत्र के बाद प्रदेश में जुलाई में होने वाले पावस सत्र में ई विधान सेवा शुरू होने वाली है।

किराए पर बैंक अकाउंट दे रहे साइबर ठग, दो दिन में हुआ करोड़ों का ट्रांजैक्शन

भोपाल। राजधानी की पुलिस ने किराए के बैंक खाते मुहैया कराने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। इन खातों का इस्तेमाल ठगी के लिए किया जा रहा था। 8 खातों में 2 करोड़ रुपये से ज्यादा का लेनदेन हुआ है। पुलिस को आशंका है कि आगे और भी चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं। गिरोह के सदस्य भोपाल के रहने वाले हैं और 12वीं पास तरुण राय इसका मास्टरमाइंड है। यह गिरोह म्यूल बैंक अकाउंट खुलवाकर बाहरी राज्यों के ठगों को बेचता था। टेलीग्राम के जरिए भी खातों की खरीद-फरोख्त होती थी। पुलिस की नजर टेलीग्राम के 100 संदिग्ध ग्रुपों पर है, जहां साइबर फ्रॉड से जुड़ी जानकारी शेयर की जा रही है। पुलिस ने बताया कि गिरोह के सदस्यों का पूरा रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस गिरोह का नेटवर्क कितना बड़ा है और इसमें और कौन-कौन लोग शामिल हैं। साइबर फ्रॉड के मामलों में इस्तेमाल होने वाले किराए के खातों की जानकारी अब एक समन्वय पोर्टल से मिल सकेगी।

शिवराज सिंह के बड़े बेटे कार्तिकेय की शादी की तैयारियां शुरू, गूंजे बन्ना गीत

सिटी चीफ इंदौर।

पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बड़े बेटे कार्तिकेय चौहान के विवाह की मंगलमयी रस्मों की शुरूआत महाशिवरात्रि के दिन शुरू हुई। चौहान परिवार ने भगवान शिव और माता पार्वती के आशीर्वाद से पूजन-अर्चन कर विवाह समारोह की विधिवत शुरूआत की। शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया पर जानकारी शेयर की। शुभ विवाह के प्रारंभ में चौहान परिवार सलकनपुर स्थित मां विंध्यवासिनी बिजासन देवी धाम पहुंचा, जहां विधिवत पूजन कर देवी का आशीर्वाद प्राप्त किया गया। इसके बाद गृह ग्राम जैत में

पारिवारिक परंपराओं के अनुसार माता पूजन, कुल देवता पूजन, नर्मदा पूजन और हरदौल पूजन कर विवह की अन्य रस्में प्रारंभ होंगी। सनातन संस्कृति में हर शुभ कार्य से पूर्व देवी-देवताओं की पूजा का विशेष महत्व होता है। कार्तिकेय चौहान ने श्रद्धा और भक्ति के साथ इष्टदेव हनुमान जी, ग्राम देवी, कुल देवी, ब्हाऊ माई और बूढ़े बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके अलावा खेड़ापति माता मंदिर में विधिपूर्वक पूजन कर हरदौल महाराज को विवाह में विधिवत आमंत्रित किया गया।

खास पल को सोशल मीडिया पर साझा किया

कार्तिकेय चौहान की शादी के शुभ अवसर पर चौहान परिवार के आंगन में परंपरागत बन्ना गीतों की गूंज सुनाई दी। शिवराज सिंह चौहान ने इस खास पल को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा कि हमारी परंपराएं और रीति-रिवाज अद्भुत हैं, जो जीवन में उत्साह भरते हैं। उन्होंने कहा कि लड़की की शादी के समय महिलाओं द्वारा बन्ना गीत गाए जाते हैं और वैवाहिक जीवन के लिए महिलाएं अपनी शुभकामनाएं देती हैं। शिवराज ने लिखा कि विवाह के अवसर पर गाए जाने वाले बन्ना गीत केवल स्वर नहीं, बल्कि युगों से प्रवाहित हमारी संस्कृति की ध्वनि हैं, जो हमारे लोकजीवन को संवारती आई हैं। चौहान परिवार में उमंग और उल्लास का माहौल है, जहां पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह की रस्में पूरी हो रही हैं। पूजन और विवाह से जुड़ी रस्मों में परिवार के आत्मीय स्वजनों की उपस्थिति ने इस अवसर को और भी आनंदमय बना दिया। नर्मदा मैया की कृपा और पूज्य पूर्वजों के आशीर्वाद से विवाह की सभी रस्में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो रही हैं। शिवराज सिंह चौहान के बड़े बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान और अमानत बंसल की शादी 6 मार्च को जोधपुर के रेडिसन होटल में होगी। कार्तिकेय सिंह चौहान के छोटे भाई कुणाल सिंह की शादी हाल ही में रिद्धि जैन के साथ संपन्न हुई। अमानत बंसल ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से साइकोलॉजी की पढ़ाई की है। उनके पिता अनुपम बंसल लिबर्टी कंपनी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं, जबकि उनकी मां रुचिता बंसल सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं।

सम्पादकीय

सोने ने अन्य सभी वित्तीय परिसंपत्तियों को पीछे छोड़ा

पिछले कई दिनों से सोने और चांदी के दाम में कोई बड़ा बदलाव नहीं आ रहा है। बुधवार को सोने के भाव में बढ़ोतरी और चांदी के भाव में गिरावट आई थी, वहीं, गुरुवार को दोनों के भावों में गिरावट आई है, लेकिन भाव में गिरावट आने के बाद अभी भी सोना अपने उच्चतम शिखर पर है। इसके अलावा चांदी के भाव ने भी आसमान छू रखा है। दरअसल इस वर्ष सोने ने अन्य सभी वित्तीय परिसंपत्तियों को पीछे छोड़ दिया है। सच तो यह है कि बीते कई सालों से सोना बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली परिसंपत्तियों में शुमार रहा है।

पिछले कई दिनों से सोने और चांदी के दाम में कोई बड़ा बदलाव नहीं आ रहा है। बुधवार को सोने के भाव में बढ़ोतरी और चांदी के भाव में गिरावट आई थी, वहीं, गुरुवार को दोनों के भावों में गिरावट आई है, लेकिन भाव में गिरावट आने के बाद अभी भी सोना अपने उच्चतम शिखर पर है। इसके अलावा चांदी के भाव ने भी आसमान छू रखा है। दरअसल इस वर्ष सोने ने अन्य सभी वित्तीय परिसंपत्तियों को पीछे छोड़ दिया है। सच तो यह है कि बीते कई सालों से सोना बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली परिसंपत्तियों में शुमार रहा है। एक जनवरी, 2025 के बाद से डॉलर में इसकी कीमत 11 फीसदी और रुपये में 13 फीसदी चढ़ी है। जनवरी 2024 से अब तक सोना डॉलर में 42 फीसदी मजबूत हुआ है। सोने को हमेशा से ही महंगाई और आर्थिक अनिश्चितता से बचने का जरिया माना जाता है। इस कारण इसका प्रतिफल बेहतरीन रहा है। गत वर्ष दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने 1,045 टन सोना खरीदा था। यह लगातार तीसरा साल था जब केंद्रीय बैंकों ने 1,000 टन से अधिक सोना खरीदा था। खुदरा निवेशक और धातु कारोबारी भी जोश में रहे हैं। भारतीय परिवारों के पास दुनिया के कुल सोने का करीब 12 फीसदी है। वैश्विक अर्थव्यवस्था कमजोर है और आपूर्ति श्रृंखला की जो दिक्कतें महामारी के समय आरम्भ हुई थीं, यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में उथल पुथल ने उन्हें गंभीर कर दिया है। इस वजह से मुद्रास्फीति बढ़ी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुल्क नीतियों ने वैश्विक अनिश्चितता बढ़ाई है और मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ा है। इन हालात में सोने जैसी सुरक्षित परिसंपत्तियों की मांग बढ़ी है। अफवाहें हैं कि सोने पर 'ट्रंप टैरिफ' लगाया जा सकता है, जिस कारण भी सोने की मांग बढ़ी है और अधिकतर केंद्रीय बैंक अपना स्वर्ण भंडार बढ़ा रहे हैं। ट्रंप के बयान से लगता है कि वे फोर्ट नॉक्स में रखे अमेरिकी सरकार के स्वर्ण भंडार को बढ़ाने में रुचि रखते हैं। खबरें हैं कि अमेरिका शायद अपने स्वर्ण भंडार का पुनर्मूल्यांकन कर सकता है। ऐसे में वित्तीय भूचाल आ सकता है क्योंकि अमेरिकी सरकार आधिकारिक तौर पर सोने का मूल्यांकन 42 डॉलर प्रति ट्रॉय आउंस (करीब 31.1 ग्राम) करती है जबकि बाजार मूल्य करीब 2,935 डॉलर प्रति आउंस है।

सामान्य तौर पर मजबूत डॉलर की स्थिति में सोना कमजोर होता है क्योंकि इसकी कीमत डॉलर से तय होती है। किंतु मुद्रास्फीति की आशंका और केंद्रीय बैंक की मांग ने इस तकनीकी बाधा को लांघ दिया है, जिससे डॉलर के मजबूत होने पर भी कीमतें रिकॉर्ड स्तर तक बढ़ गईं। अगर रुझान जारी रहा तो कुछ दिलचस्प परिणाम देखने को मिल सकते हैं। सभी मान रहे हैं कि सोना चढ़ेगा और दूसरी परिसंपत्तियां उससे ज्यादा प्रतिफल दे नहीं पा रही हैं, इसलिए मांग बनी रहेगी। सोना खान से निकालकर रिफाइन करना होता है यानी उसकी आपूर्ति सीमित रहती है। अगर नए भंडार सामने आते हैं तो भी उन्हें वाणिज्यिक उत्पादन के लायक बनाने में समय लगेगा। ऐसे में उच्च मांग से कीमतों में भारी इजाफा हो सकता है और यह मौजूदा ऊंचे स्तर से भी ऊपर जा सकता है। सोने के एक्सचेंज ट्रेडेड फंड और गोल्ड माइनिंग शेयर तेजी पर हैं। दूसरी ओर सराफा और सोना रखकर कर्ज देने वाली गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों एवं बैंकों को सोने की बढ़ती मांग से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सराफों के उत्पादों की मांग इससे बढ़ रही है, लेकिन ज्यादा सोना रखना जोखिम का काम होता है क्योंकि कीमत बढ़ रही है। सोने के बदले कर्ज भी ऊंची कीमतों पर दिए जा रहे हैं। अगर कीमत नीचे आईं और कर्ज नहीं चुकाए गए तो कंपनियां संकट में आ जाएंगी। सोने की औद्योगिक मांग कम है। कुछ गोल्ड बॉन्ड को छोड़ दें तो यह ऐसी संपत्ति नहीं जो ब्याज अर्जित करे। इसलिए आर्थिक स्थिति मजबूत होने पर सोने का प्रदर्शन हमेशा खराब रहा है।

'भाषा युद्ध' और परिसीमन की पिच पर चुनावी मोर्चाबंदी

तमिलनाडु में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की बिसात बिछ गई है। सत्तारूढ़ डीएमके ने जहां भाषा युद्ध और परिसीमन में संभावित अन्याय को मुद्दा बनाकर मोदी सरकार और भाजपा पर हमले शुरू कर दिए हैं तो वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने डीएमके को महाभ्रष्ट सरकार बताकर उसे हटाने की दुंदुभि बजा दी है। यह साफ है कि राज्य में अब तक राजनीतिक रूप से कमजोर और हिंदुत्ववादी माने जाने वाली भाजपा ने आगामी चुनाव पूरी ताकत से लड़ने का मन बना लिया है। ऐसे में राज्य के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने फिर द्रविड राजनीति की शरण ली है। उन्होंने यह धमकी देकर कि तमिलनाडु एक और भाषा युद्ध के लिए तैयार है, केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ आगमी विधानसभा चुनाव का शंखनाद कर दिया है। स्टालिन ने चुनाव क्षेत्र परिसीमन में तमिलनाडु को होने वाले संभावित घाटे का मुद्दा उछालकर हिंदी विरोध और परिसीमन के मुद्दे पर दक्षिणी राज्यों को एकजुट करने की सुनियोजित राजनीतिक कोशिशें शुरू कर दी हैं। हालांकि, हिंदी विरोध पर उन्हें ज्यादा समर्थन शायद न मिले, लेकिन परिसीमन पर स्टालिन को दक्षिणी राज्यों का साथ मिल सकता है, क्योंकि इन राज्यों का तर्क है कि चूंकि उन्होंने अपने राज्यों में जनसंख्या वृद्धि को कंट्रोल किया, इसके बदले में उन्हें संसद में कुछ सीटें गंवानी पड़ सकती हैं।

यह दक्षिण भारत की संसद में घटती आवाज का और क्षेत्रीय असंतुलन का पर्याय होगा, जो भारत जैसे संघीय राज्य में स्वीकार्य नहीं है। अगर ऐसा हुआ तो देश एक और अवांछित विभाजन की ओर धकेला जा सकता है। हालांकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तमिलनाडु में अपनी सभाओं में परिसीमन में अन्याय की आशंका को पूरी तरह खारिज किया है।

दरअसल, तमिलनाडु विधानसभा के चुनाव अगले साल अप्रैल में होने वाले हैं और सत्तारूढ़ द्रविड मुन्नेत्र कडघम ने सत्ता में वापसी के लिए अभी से राजनीतिक मोर्चाबंदी शुरू कर दी है। जिसमें तमिल भावनाओं को खुलकर हवा देना शामिल है। पिछले विधानसभा चुनाव में उसने अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) को करारी मात दी थी, जिसका मुख्य कारण अम्मा जयललिता के निधन के बाद एआईएडीएम का नेता विहीन होना और पार्टी की अंतर्कलह थी। एआईएडीएमके के अब दो धड़े हैं। कुल मिलाकर यानी राज्य में विपक्ष का स्पेस खाली है। भाजपा धीरे धीरे इस स्पेस को भरने की कोशिश कर रही है। हालांकि, उसे अभी तक कोई बड़ी चुनावी सफलता नहीं मिली है, लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव में उसका वोट प्रतिशत तेजी बढ़ा है। बीजेपी हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की राजनीति करती है। जबकि डीएमके और एआईडीएमके द्रविड और तमिल अस्मिता की राजनीति करती रही हैं। हिंदी थोपने और उत्तर भारत को आर्य संस्कृति बताकर उसका विरोध द्रविड पार्टियों का प्रमुख औजार है।

दोनों पार्टियों के बीच सत्ता की अदलाबदली करिश्माई नेता के हिसाब से होती रही है। वैचारिक रूप से दोनों एक ही हैं। इस दलदल में भाजपा और आरएसएस की हिंदुत्व केंद्रित राष्ट्रवाद की राजनीति एक अलग तासीर और आग्रह लिए हुए है, जिसका स्वीकार तमिल मानस बहुत धीरे-धीरे कर रहा है। अगले विस चुनाव में भी भाजपा को कोई बड़ी सफलता मिलेगी, यह मान लेना जल्दबाजी होगी, लेकिन उसकी राजनीतिक जमीन मजबूत हो सकती है।

संभव है कि भाजपा भविष्य में सत्ता की दावेदार भी हो जाए। यही डीएमके की चिंता का मुख्य कारण है। मसलन 2020 के विस चुनाव में भाजपा को तमिलनाडु में मात्र 2.62 प्रतिशत वोट और 4 सीटें मिली थीं। यह चुनाव भाजपा ने एआईएडीएमके के साथ गठबंधन में लड़ा था। बाद में 2024 के लोकसभा चुनाव में एआईएडीएमके ने भाजपा से रिश्ता तोड़कर दूसरी पार्टियों के साथ गठबंधन कर लिया। लोस चुनाव में एआईएडीएमके को भी कोई सीट नहीं मिली। सीट भाजपा को भी नहीं मिली, लेकिन उसका वोट बढ़कर 18.18 प्रतिशत हो गया।

यद्यपि इस वोट प्रतिशत वृद्धि में उन छोटे का दलों का भी योगदान था, जिनसे गठबंधन कर भाजपा एनडीए के बैनर तले चुनाव में उतरी थी। जबकि इस लोस चुनाव में डीएमके गठबंधन को 46.97 फीसदी तथा मुख्य विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके को 23.05 प्रतिशत वोट मिला। अपनी एकजुटता और द्रविड राजनीति के मुख्य पैरोकार के रूप में डीएमके ने राज्य में प्रतिद्वंद्वी एआईएडीएमके को काफी हद तक खत्म कर दिया है, लेकिन भाजपा को वैचारिक, जमीनी और संसाधन के स्तर पर कैसे रोका जाए, यह उसकी पहली चिंता है।

यही कारण है कि एम के स्टालिन ने नई शिक्षा नीति और परिसीमन को मुद्दा बनाते हुए पोजिशनिंग शुरू कर दी है। ताजा विवाद तब शुरू हुआ जब केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने वाराणसी में चेतावनी के स्वर में कहा कि देश में शैक्षणिक समानता के लिए सभी राज्यों को अपने यहां नई शिक्षा नीति लागू करनी होगी। तभी उन्हें केन्द्र से आर्थिक सहायता मिलेगी।

इस पर स्टालिन ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पत्र लिखकर कहा कि वो राज्य के रोके गए 2152 करोड़ रू. जारी करे। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु किसी हाल में अपनी द्विभाषा (तमिल और अंग्रेजी) में शिक्षा की नीति से नहीं डिगेगा। स्टालिन ने कहा कि हम भाषाई आधार पर ब्लैकमेल करने का विरोध करेंगे। गौरतलब है कि नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुसार, स्कूलों में छात्रों को तीन भाषाएं सीखनी होंगी, जिनमें से कम से कम दो भारतीय मूल की भाषाएं होंगी। इसका मतलब है कि राज्य की भाषा के अलावा, बच्चों को कम से कम एक अन्य भारतीय भाषा सीखनी होगी। जरूरी नहीं कि वह हिंदी ही हो। हालांकि, तमिलनाडु को आशंका है कि यह केंद्र द्वारा हिंदी को पिछले दरवाजे से थोपते हुए राज्य की भाषाई स्वतंत्रता को छीनने की कोशिश है।

दरअसल, त्रिभाषा नीति उसी पुराने त्रिभाषा फामूर्ले का नया रूप है, जिसमें सभी राज्यों से अपने यहां बच्चों को तीन भाषा पढ़ाने की अपेक्षा की गई है। इनमें एक हिंदी अथवा स्थानीय भाषा, दूसरी अंग्रेजी तथा तीसरी कोई आधुनिक भारतीय भाषा होगी। नई शिक्षा नीति में स्पष्ट कहा गया है कि कोई भी भाषा किसी भी राज्य पर थोपी नहीं जाएगी। देश के ज्यादातर राज्यों ने या तो नई शिक्षा नीति को लागू कर दिया है या फिर उस पर अपनी सहमति दे दी है। केवल तमिलनाडु ऐसा राज्य है, जिसने 1968 की पहली शिक्षा नीति को भी ठीक से लागू नहीं किया था, क्योंकि उसमें तीसरी भाषा के रूप में हिंदी पढ़ाने की बात थी। नई शिक्षा नीति में अधिकांश भारतीय भाषाओं की जननी संस्कृत को अलग से सभी स्तर की कक्षाओं में पढ़ाने की बात भी है। इस पर स्टालिन का आरोप है कि संस्कृत की आड़ में तमिल भाषा का महत्व कम किया जा रहा है, जबकि तमिल भी संस्कृत जितनी ही पुरानी और सभी द्रविड भाषाओं का मूल है। उधर स्टालिन की केंद्र को इस धमकी के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि इसका उचित जवाब दिया जाएगा। अब सवाल यह कि क्या नई शिक्षा नीति को लेकर केंद्र और राज्य में कोई समन्वय संभव है या फिर विस चुनाव तक तो दोनो में तलवारें खिंची रहेंगी।

दरअसल, भाजपा और संघ के हिंदुत्व से सीधे सनातन पर शिफ्ट होने के पीछे भी डीएमके ही कारण थी। तमिलनाडु सरकार में उपमुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन ने सालभर पहले चेन्नई में एक प्रायोजित कार्यक्रम में हिंदू धर्म की मुख्य धारा सनातन को बीमारी की संज्ञा दी थी। इसके बाद भाजपा और संघ के सनातन को अपने प्रचार का मुख्य हथियार बना लिया। इसका उसे चुनावों में फायदा भी मिला।

हिंदी को लेकर तमिलनाडु का विरोध 1937 से है। वह देश में अकेला ऐसा राज्य है, जहां स्कूलों में राजभाषा और अघोषित रूप से राष्ट्रभाषा का स्वरूप ले रही हिंदी नहीं पढ़ाई जाती। इससे नुकसान उन बच्चों का होता है, तो तमिलनाडु के बाहर अन्य राज्यों में नौकरी धंधा करना चाहते हैं। नतीजा यह है कि विद्यार्थी निजी स्तर पर हिदी सीख रहे हैं। दक्षिण भारत हिंदी प्रचार समिति द्वारा आयोजित की जाने वाली हिंदी परीक्षा में तमिल विद्यार्थियो की बढ़ती संख्या इसका प्रमाण है। इसका सीधा अर्थ यही है कि तमिलनाडु में हिंदी का विरोध मुख्यत: राजनीतिक है और द्रविड राजनीति की प्रासंगिकता को कायम रखने की एक प्रभावी आड़ है। जबकि बीती आधी सदी में काफी कुछ बदल चुका है। स्टालिन का दूसरा मुद्दा ज्यादा गंभीर और विचारणीय है। इस साल देश में 16 वीं जनगणना होना संभावित है। साथ ही अगले साल 2026 में संसदीय व विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों का देश की बढ़ती आबादी के परिप्रेक्ष्य में नए सिरे से परिसीमन होना है।

5 (केन्द्र शासित पुदुच्चेरी सहित 6) दक्षिणी राज्यों और खासकर तमिलनाडु की चिंता यह है कि चूंकि बीते डेढ़ दशक में इन राज्यों की आबादी उत्तर पश्चिमी भारत के राज्यों की तुलना में कम बढ़ी है, ऐसे में नए परिसीमन में लोकसभा में उनकी सीटें कम हो सकती है। इसका अर्थ है कि राष्ट्रीय राजनीति में दक्षिण भारत की घटती हिस्सेदारी। दक्षिणी राज्यों का वाजिब तर्क है कि चूंकि उन्होंने अपने यहां जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित कर आर्थिक सामाजिक स्तर पर तेजी से विकास किया, इसकी सजा उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में घटती हिस्सेदारी के रूप में क्यों मिले। स्टालिन का कहना है यदि परिसीमन का मुख्य कारक आबादी ही रहा तो तमिलनाडु की लोकसभा में 8 सीटें घट जाएंगी, जो वर्तमान में 39 है। सीटें घटने की यह चिंता तमिलनाडु के साथ साथ दक्षिण के अन्य राज्यों में भी है। इसीलिए आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने लोगों से ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपील की है और स्थानीय चुनावों में उम्मीदवारी के लिए दो बच्चों की सीमा को भी हटा दिया है। अब यह मोदी सरकार पर निर्भर है कि वह देश के संघीय ढांचे को कायम रखने के लिए क्या करती है।

जर्मनी में धुर दक्षिणपंथ के उभार से वामपंथी खेमे में हाहाकार!

जर्मनी में हाल ही में हुए चुनावों में दूर-दराजी पार्टी एएफडी का उदय हुआ है। यह चिंताजनक है क्योंकि जर्मनी शेक्सपियर के हेमलेट की तरह कभी अनिर्णय की स्थिति में था। अब वह कट्टरपंथी दक्षिणपंथी विचारधारा की ओर बढ़ रहा है। इस लेख में हम जर्मनी की राजनीतिक स्थिति, एएफडी के उदय के कारणों और इसके संभावित परिणामों का विश्लेषण करेंगे। हम इस बात पर भी गौर करेंगे कि जर्मनी की यह स्थिति दुनिया के बाकी हिस्सों के लिए क्या मायने रखती है।

19वीं सदी में जर्मनी को हेमलेट की तरह अनिर्णायक माना जाता था। कवि फर्डिनेंड फ्रीलिग्राथ ने 1844 में कहा था, 'जर्मनी हेमलेट है।' वह जर्मनी के राजनीतिक दमन के खिलाफ लड़ने में झिझक पर दुखी थे। चार साल बाद 1848 में यूरोप में क्रांतियां हुईं। लोगों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता, राजनीतिक अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और आर्थिक अधिकारों की मांग की। हालांकि ये क्रांतियां असफल रहीं, लेकिन उन्होंने सामाजिक लोकतंत्र की नींव रखी जिसने आधुनिक यूरोप को आकार दिया।

आज फिर से क्रांति की आहट सुनाई दे रही है, लेकिन इस बार यह प्रगतिशील ताकतों से नहीं, बल्कि कट्टरपंथी दक्षिणपंथ से आ रही है। जर्मनी में 23 फरवरी को हुए चुनावों में सत्ताधारी एसपीडी को सिर्फ 16.4त्न वोट मिले, जो ऐतिहासिक रूप से कम है। क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स ने 28.6त्न वोटों से जीत हासिल की। लेकिन असली विजेता एएफडी रही, जिसने चार साल से भी कम समय में संसद में अपनी सीटें दोगुनी कर लीं और 20.8त्न वोटों के साथ दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई। सवाल यह है कि जर्मनी जैसे आर्थिक रूप से मजबूत देश में दक्षिणपंथी लोकलुभावनवाद का उदय क्यों हो रहा है? क्या यह इसलिए है क्योंकि, जैसा कि व्यंग्यकार जान बोहेमन ने न्यूयॉर्क टाइम्स में सुझाया था, दक्षिणपंथी अतिवाद जर्मनी में अंतर्निहित है और इसके सबसे सफल निर्यात उत्पादों में से एक है?

निश्चित रूप से जर्मन समाज में अधिकांश अन्य लोगों की तरह कट्टर दक्षिणपंथी मतदाताओं का एक मुख्य आधार है। लेकिन वे दक्षिणपंथी समर्थन में भारी वृद्धि के लिए जिम्मेदार नहीं हो सकते। चुनाव परिणाम एक अलग कहानी बताते हैं। वे एक गहरे विभाजित समाज को दर्शाते हैं। उदाहरण के लिए, पूर्वी जर्मनी और देश के बाकी हिस्सों के बीच एक स्पष्ट विभाजन है। तीन पूर्वी बुंडेसलैंडर में एएफडी ने लगभग 37त्न वोट - कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में 47त्न - लेकर सबसे मजबूत राजनीतिक दल बन गया। एक और विभाजन पीढ़ियों के बीच था। युवा लोगों ने स्थापित पार्टियों को छोड़ दिया और या तो एएफडी या एक छोटी वामपंथी समाजवादी पार्टी का समर्थन करते हुए किनारे पर आ गए।

जर्मन समाज का ध्रुवीकरण कोई नई बात नहीं है। समाजशास्त्री स्टीफन माउ का चर्चित अध्ययन 'असमान रूप से एकजुट: पूर्व अलग क्यों रहता है' पुनर्मिलन की विरासत की ओर ध्यान आकर्षित करता है, जिसमें नौकरियों का नुकसान हुआ और पश्चिम में ब्रेन ड्रेन हुआ। उनका तर्क है कि पूर्वी जर्मनी का संकट नागरिक समाज का संकट है। माउ का तर्क है कि थोड़े-बहुत हीनता बोध के साथ पश्चिम जर्मनी के अभिजात्य वर्ग के खिलाफ परिभाषित पहचान की भावना सामाजिक सामंजस्य के एकमात्र शेष स्रोत के रूप में उभरी है। लेकिन स्टेटस की चिंता सिर्फ पूर्व तक सीमित नहीं है। सभी तरह के राजनीतिक टिप्पणीकार जर्मन समाज में व्याप्त असुरक्षा की भावना की ओर इशारा करते हैं।

विशेष रूप से कट्टर दक्षिणपंथी वर्ग के सायरन कॉल के प्रति संवेदनशील निम्न मध्य वर्ग के सदस्य हैं, जो तेजी से बदलती दुनिया में घटती आमदनी से ज्यादा सामाजिक गिरावट को लेकर डरे होते हैं। यह ठीक वैसा ही परिदृश्य है जिसके खिलाफ राजनीतिक दार्शनिक माइकल सैंडल अपनी टायरनी ऑफ मेरिट (2020) में चेतावनी देते हैं। ऐसी दुनिया में जहां सफलता को पूरी तरह से आर्थिक दृष्टि से मापा जाता है, पीछे छूट जाने का डर द्वेष और निराशा को जन्म देता है। तब नागरिकता के बंधन टूट जाते हैं। इस हद तक, जर्मनी में हो रहे बदलाव दुनिया के अन्य हिस्सों की परिस्थितियां दर्शाते हैं।

एएफडी के पास समाज की सभी समस्याओं का एक ही समाधान है- अप्रवासियों पर दोष मढ़ना। सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार की एक धारा के साथ विचारों की कमी की भरपाई करने में माहिर, इसने चुनाव प्रचार के दौरान सार्वजनिक बहस को सफलतापूर्वक हाईजैक कर लिया। उच्चस्तरीय मानवीय भावनाओं और अप्रवासी विरोधी भावना के बीच व्यावहारिक तर्क काफी हद तक के दम घुट गए हैं। जिस बात का शायद ही कभी उल्लेख किया गया हो, वह यह है कि श्रम की पुरानी कमी का सामना कर रहे एक उम्रदराज जर्मन समाज को अप्रवासियों की उतनी ही आवश्यकता है जितनी अप्रवासियों को जर्मनी की।

आर्थिक निराशा का भाव लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास के व्यापक नुकसान को बढ़ा देता है। देश मंदी की चपेट में है, जिसके लिए सस्ती रूसी गैस का अंत ही पूरी तरह से दोषी नहीं है। उतना ही विनाशकारी है ढहता हुआ बुनियादी ढांचा, नवाचार और डिजिटलीकरण में निवेश करने में विफलता, और वही नौकरशाही जो भारत के लाइसेंस राज को गौरवान्वित करती है। दशकों से जमा हो रहे कार्यों का एक लॉगजैम है। कट्टर दक्षिणपंथ के लिए वोट शेयर में नाटकीय वृद्धि जर्मन लोकतंत्र में अविश्वास का प्रदर्शन है। यह उदारवादी प्रतिष्ठान के लिए अपनी शिथिलता को समाप्त करने और अंतत: निर्णायक कार्रवाई करने की एक चेतावनी है।

बेटे निशांत कुमार की लॉन्चिंग को तैयार हैं नीतीश कुमार

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार लगातार अपने बयानों से यह संकेत दे रहे हैं कि वे बिहार की सक्रिय राजनीति में उतरने को तैयार हैं। निशांत के बयानों पर नीतीश कुमार की चुप्पी भी यही संकेत दे रही है कि बिहार के मुख्यमंत्री अपनी राजनीतिक विरासत और अपनी पार्टी- जनता दल यूनाइटेड दोनों को अपने बेटे के हाथ में सौंपने की तैयारी कर रहे हैं। नीतीश कुमार की चुप्पी और निशांत कुमार के बयानों के कई मतलब और मायने भले ही निकाले जा रहे हो लेकिन राजनीति को सही ढंग से समझने वाला कोई भी जानकर यह बता सकता है कि पिता-पुत्र के मन में क्या चल रहा है।

नीतीश कुमार शुरू से ही परिवारवाद की राजनीति के खिलाफ रहे हैं। कई बार तो वह सार्वजनिक मंच से परिवारवाद की राजनीति करने के लिए लालू यादव पर निशाना साध चुके हैं। यहां तक कि दशकों तक नीतीश कुमार किसी भी सार्वजनिक मंच पर अपने बेटे निशांत कुमार को अपने साथ नहीं ले गए। लेकिन पिछले कुछ दिनों से नीतीश कुमार और उनके बेटे निशांत कुमार की तस्वीरें लगातार सामने आ रही है। निशांत कुमार की राजनीति में एंट्री को लेकर जेडीयू नेताओं के बयान भी लगातार आ रहे हैं।

दूसरी तरफ, जिन निशांत कुमार की तारीफ में यह बताया जाता था कि वह बहुत सादगी से रहते हैं, मीडिया की चकाचौंध से दूर रहते हैं। वही निशांत कुमार आजकल लगातार मीडिया के सामने आ रहे हैं। सबसे अधिक गौर करने वाली बात यह है कि वह मीडिया को गंभीर राजनीतिक मसलों पर बयान देकर, हंगामा भी खड़ा कर रहे हैं। एक पल के लिए यह माना जा सकता है कि अपने पिता को फिर से बिहार का मुख्यमंत्री बनाने के लिए वह बिहार के मतदाताओं से अपील कर रहे हैं लेकिन एनडीए गठबंधन को लेकर भी उनका बोलना यह दशार्ता है कि नीतीश कुमार उन्हें राजनीति में उतारने का फैसला कर चुके हैं, निशांत कुमार भी इसके लिए अपने आपको तैयार कर रहे हैं और अब लॉन्चिंग के लिए सही मौके का इंतजार किया जा रहा है।

जो बात नीतीश कुमार स्वयं अपनी जुबान से नहीं बोल पा रहे थे, उन्होंने वह बात अपने पुत्र निशांत कुमार की जुबान से बुलवाकर एक बड़ा राजनीतिक दांव खेल दिया है। निशांत कुमार ने एनडीए गठबंधन के सबसे बड़े दल भाजपा को नसीहत देते हुए कहा कि, एनडीए भी नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करे। जेडीयू के तमाम नेता और कार्यकर्ता सभी मिलकर सीएम फेस घोषित करें। ताकि उनके नेतृत्व में विकास कार्य जारी रहे।

एक तरफ निशांत कुमार ने बीजेपी को एनडीए गठबंधन का नेता घोषित कर, विधानसभा चुनाव लड़ने की नसीहत दी तो वहीं दूसरी तरफ इशारों-इशारों में वह चिराग पासवान और प्रशांत किशोर जैसे नेताओं पर भी बड़ी बात कह गए।

निशांत कुमार के शब्दों पर गौर कीजिएगा। उन्होंने कहा कि वे मीडिया के माध्यम से राज्य के तमाम युवाओं से आह्वान करते हैं कि पिताजी ने विकास किया है तो, उनके लिए वोट करें। पिछली बार लोगों ने उन्हें 43 सीटें दे दी, फिर भी उन्होंने विकास का क्रम रुकने नहीं दिया। इस बार सीट बढ़ना मांगता है, ताकि पिताजी आगे भी कार्य जारी रख सकें। यह सब जानते हैं कि 2020 के पिछले विधानसभा चुनाव में जेडीयू उम्मीदवारों को हराने में बड़ी भूमिका चिराग पासवान ने निभाई थी। चिराग पासवान ने 2020 के विधानसभा चुनाव में अपने आपको नरेंद्र मोदी का हुनमान बताते हुए नीतीश कुमार की पार्टी को 43 सीटों पर ला दिया था। इस बार कुछ उसी तरह की भूमिका निभाने की तैयारी प्रशांत किशोर करते हुए नजर आ रहे हैं।

निशांत कुमार जिस नपे-तुले शब्दों के साथ सधे हुए अंदाज में बयान दे रहे हैं, उससे यह साफ-साफ नजर आ रहा है कि एक-एक शब्द का चयन बहुत सावधानी से किया गया है। इसका सीधा मतलब यही निकलता है कि, कितने बड़े पैमाने पर तैयारी की जा रही है। ऐसे में यह तय माना जा रहा है कि इस बार के विधानसभा चुनाव में बिहार की जनता के सामने समाजवादी विचारधारा के आंदोलन से निकले एक और दिग्गज नेता के पुत्र अपने पिता के नाम पर वोट देने की गुहार लगाते नजर आ सकते हैं।

महाशिवरात्रि के पावन पुनीत पर्व पर नरयावली नाका मुक्तिधाम मोतिनगर में विराजमान महाकाल की महा-आरती संपन्न

सागर, आयोजन के अर्चक पंडित मंगल गोस्वामी ने बताया कि यह विश्व में अद्भुत अद्वितीय और अनोखा आयोजन जो कि श्मशानघाट में होता है। हम सभी सौभाग्यशाली हैं जो कि इस अद्भुत आयोजन के साक्षी और सहभागी हैं। मुक्तिधाम को लोग ह्येय दृष्टि से देखते हैं लेकिन यह तो वह पवित्र स्थान है जहां लोगों को काम क्रोध लोभ मोह मद मत्सर एवं पाप से मुक्ति मिलती है। मरघट तो वह है जहां व्यक्ति का मरण होता है। श्मशानघाट में मानव को सांसारिक शरीर से मुक्ति मिलती है। आयोजन के संयोजक लालसिंह चड़ार ने बताया कि हम सब ने इस दिव्य एवं भव्य आयोजन को सार्वजनिक रखा है जहां सभी जाति वर्ग के सनातनी एक साथ समान रूप से भगवान भोलेनाथ की आराधना करते हैं। मुक्तिधाम में आते ही सभी जाति वर्ग के बंधन छूट जाते है यहां जो भी आता है वह सनातनी होने के नाते आता हैइसलिए सभी, सनातनी एक रहें। आरती में माधव पटेल, हिमांशु साहु, विकास कोष्ठी, हेमंत आठिया, राजेन्द्र पटेल, नीलेश लोधी, शुभम दुबे, अभिषेक रैकवार, शुभम प्यासी, विवेक सेन, छोटू बाल्मिकी अमित खटीक, श्रीकांत सेन, पवन मिश्रा आदि सनातनी उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर्व पर अमरकंटक में आयोजित 5 दिवसीय मेले का सांसद ने किया शुभारंभ

मेले में विभिन्न विभागों ने प्रदर्शनी लगाकर किया शासकीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार

सुशिल सोनी । सिटी चीफ अनूपपुर, मां नर्मदा के उद्गम क्षेत्र पवित्र नगरी अमरकंटक में महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर सर्किट हाउस के पीछे स्थित मेला ग्राउंड अमरकंटक में आयोजित पांच दिवसीय मेला का शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक पुष्पराजगढ़ श्री फुन्देलाल सिंह, अपर कलेक्टर श्री दिलीप कुमार पाण्डेय, एसडीएम पुष्पराजगढ़ श्री महिपाल सिंह गुर्जर, नगर परिषद अमरकंटक की अध्यक्ष श्रीमती पार्वती सिंह उइके, उपाध्यक्ष श्री रज्जू सिंह नेताम, तहसीलदार श्री गौरीशंकर शर्मा, नायब तहसीलदार श्री कौशलेन्द्र मिश्रा, उपयंत्री श्री बृजेश पाण्डेय, श्री अंबिका तिवारी, श्री राम गोपाल द्विवेदी, श्री श्रवण उपाध्याय सहित नगर परिषद अमरकंटक के पार्षदगण, जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी, कर्मचारी ,पत्रकार तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु व दर्शनार्थी उपस्थित थे।

अमरकंटक में आयोजित महाशिवरात्रि मेला स्थल पर शासकीय विभागों पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, उद्यानिकी विभाग, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड शहडोल, कृषि विभाग, जनजाति कार्य विभाग, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, आयुष विभाग, वन विभाग, खादी ग्रामोद्योग विभाग द्वारा शासकीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से प्रदर्शनी सह शिविर आयोजित किया गया था। जिसका सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह, विधायक श्री फुन्देलाल सिंह सहित जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों व नागरिकों ने अवलोकन किया। सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने नागरिकों तथा बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं को महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दी।

शिवरात्रि पर मां नर्मदा की श्रृद्धालुओं ने की उपासना महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर पवित्र नगरी अमरकंटक में मां नर्मदा उद्गम मंदिर में मां नर्मदा व भगवान शिव शंकर की भक्ति में लीन श्रृद्धालू उपासना करते देखे गए। बड़ी संख्या में श्रृद्धालुओं ने बम-बम भोले, हर-हर नर्मदे, ओम नमः शिवाय का जप किया। देवालयों में लोग पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक व जप करते देखे गए। मां नर्मदा उद्गम मंदिर में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने उद्गम मंदिर में मां नर्मदा व भगवान शंकर के देवालयों में मत्था टेका तथा भक्ति में लीन नजर आये। नर्मदा तट में श्रद्धालुओं ने स्नान किया तथा भोलेनाथ की पिंडी में जल का अर्पण किया। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर अमरकंटक में स्थित आश्रमों ने भंडारा तथा जगह-जगह भक्तों ने प्रसाद का वितरण किया।

अमरकंटक में महाशिवरात्रि का महत्व मां नर्मदा को शंकरी अर्थात भगवान शंकर की पुत्री कहा जाता है। अन्य नदियों से विपरीत नर्मदा से निकले हुए पत्थरों को शिव का रूप माना जाता है, ये स्वयं प्राण प्रतिष्ठित होते हैं अर्थात् नर्मदा के पत्थरों को प्राण प्रतिष्ठित करने की आवश्यकता नहीं होती है, इसी कारण देश में ही नही विदेशों में भी नर्मदा से निकले हुए पत्थरों की शिवलिंग के रुप में सर्वाधित मान्यता है, जिसके कारण अमरकंटक में महाशिवरात्रि का बड़ा महत्व है।

नागरिकों की जरूरत की सामग्री भी मेले में हो रही उपलब्ध मेले में जहां एक ओर हस्तशिल्प तथा खिलौने तथा विभागीय स्टाल लगाए गए थे। वहीं दूसरी ओर कपड़े, बर्तन, क्राकरी के बर्तन तथा फल, मिष्ठान, पूजन सामग्री, मनिहारी की सामग्री सहित विविध सामग्रियों की दुकानें सजाई गई हैं।

नर्मदा तट में श्रृद्धालुओं ने लगाई डुबकी महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर नर्मदा तट स्थित रामघाट सहित अन्य सरोवरों में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रृद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई तथा भगवान शिव एवं मां नर्मदा को याद करते हुए जल अर्पण किया।

मेले का कलेक्टर ने लिया जायजा महाशिवरात्रि के अवसर पर मेला ग्राउंड अमरकंटक में आयोजित महाशिवरात्रि मेले का कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने भ्रमण कर जायजा लिया गया उन्होंने साफ सफाई तथा आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों को दिशा निर्देश भी दिए।

अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में व्यापार बंधु की बैठक हुई आयोजित

व्यापारियों की समस्याओं का प्राथमिकता से करें निस्तारण

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉक्टर अर्चना द्विवेदी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में जिला व्यापार बंधु की बैठक आयोजित की गयी। इस अवसर पर उन्होंने व्यापार बंधुओं द्वारा उठायी जाने वाली समस्याओं से अवगत होने के बाद उसके गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि क्लार्क होटल चौराहे से सिविल अस्पताल की ओर जाने वाली सड़क पर लगी स्ट्रीट लाइटों को यथाशीघ्र संचालित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी जेई अपने क्षेत्र के व्यापारियों का एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाएं जिससे शटडाउन की सूचना तत्काल प्राप्त हो सके। उन्होंने निर्देश दिए कि जर्जर तारों को बदलने की कार्यवाही की जाए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारी के अनुपस्थित रहने पर स्पष्टीकरण के निर्देश दिए। घटतौली संबंधी शिकायत पर अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि टीम बनाकर पैट्रोल पंपों एवं धर्म कांटों की जांच कराई जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर नगर निगम द्वारा अभी चलाकर अतिक्रमण हटवाया गया है उन स्थानों पर दोबारा अतिक्रमण न हो इसकी जिम्मेदारी सम्बंधित थाने की तय की जाए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक यातायात सिद्धार्थ वर्मा, व्यापारी हरपाल सिंह वर्मा, नुसरत साबरी, रमेश अरोड़ा सहित अन्य व्यापारी बंधु तथा संबंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विधायक राजीव गुंबर ने विधानसभा में उठाया कॉलोनियों में विकास का मुद्दा

गौरव सिंघल। सिटी चीफ सहारनपुर, सहारनपुर के शहर विधायक राजीव गुंबर ने विधानसभा में कॉलोनियों में विकास का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि सहारनपुर में सक्षम प्राधिकरण से बिना स्वीकृत कराए काफी कॉलोनी विकसित की गई है और उनमें पूरी तरह से आबादी बस चुकी है। ऐसी कॉलोनियों में नगर निगम के द्वारा सड़क, नाली, सीवर आदि सुविधाएं नहीं दी जा रही है। सक्षम प्राधिकरण के द्वारा विकसित कॉलोनियों में कीमत इतनी अधिक है, जिसमें आम आदमी के लिए मकान बनाना संभव नहीं हो पाता है। अब नगर निगम इन कॉलोनियों में सड़क, नाली, सीवर आदि की सुविधा देने से इनकार कर रहा है। किसी भी नागरिक को मूलभूत सुविधाएं पाने का संवैधानिक अधिकार है, उसे इस अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। इसलिए जनहित में अनियमित कॉलोनियों में भी सड़क, पानी, बिजली आदि की सुविधा देना आवश्यक है।

चन्द्रशेखर आजाद की पुण्यतिथि पर पर्यावरण मित्रों ने चलाया स्वच्छता अभियान, महान क्रांतिकारी देशभक्त अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

नीमच- देश की आजादी के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले वीर क्रांतिकारी युवा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी महान क्रांतिकारी देशभक्त अमर शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद कि पुण्यतिथि के अवसर पर संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था नीमच द्वारा शहरी विकास परियोजना अधिकारी डिप्टी कलेक्टर चन्द्रसिंह धार्वे के नेतृत्व में संस्था एवं नगरपालिका के सफाई कर्मचारियों द्वारा गुरुवार दिनांक 27 फरवरी 2025 को प्रात: 8 से 10 बजे तक शिक्षक कालोनी स्थित चन्द्रशेखर आजाद वाटिका परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया अभियान के तहत वाटिका परिसर से प्लास्टिक पोलेथिन थैलियां पन्नी, गंदा कचरा आदि एकत्रित किया गया एवं परिसर में लगी वीर क्रांतिकारी देशभक्त अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की आदमकद प्रतिमा कि साफ सफाई कर जल से स्नान कराकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया गया, इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर चन्द्रसिंह धार्वे ने बताया कि अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद बहुत बड़े देशभक्त थे,देश की आजादी के लिए वे 13 वर्ष कि आयु में ही अपने घर से निकल पड़े,उनका जन्म 23 जुलाई 1906 को हुआ एवं 27 फरवरी 1931 को 25 वर्ष कि आयु में देश की आजादी के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया ऐसे वीर क्रांतिकारी युवा देशभक्त अमर शहीद की पुण्यतिथि पर हम सभी बारम्बार नमन करते हैं, इस अवसर पर संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था के संरक्षक नवीन अग्रवाल ने बताया कि देश की आजादी में अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले वीर क्रांतिकारी युवा शहीदों के पदचिन्हों पर चलकर हमें सीख लेना चाहिए , आज़ हम सभी उन्हीं के बदौलत से गुलामी की जंजीरों से मुक्त होकर चैन की सांस ले रहे हैं, इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष किशोर बागड़ी ने बताया कि संस्था सदस्यों एवं नगरपालिका के सफाई कर्मचारियों ने 2 घंटे श्रमदान कर परिसर की साफ-सफाई की गई इसके पश्चात महान् क्रान्तिकारी अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर डिप्टी कलेक्टर चन्द्रसिंह धार्वे संस्था अध्यक्ष किशोर बागड़ी ने माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया गया इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर चन्द्रसिंह धार्वे, संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था के संरक्षक नवीन अग्रवाल, अध्यक्ष किशोर बागड़ी, कोषाध्यक्ष रमेश मोरे, सुकुमार आगार, हरीश उपाध्याय, मनीष काठेंड, समाज सेवी कोमल चन्द्र गांग, विनोद पंवार,अरूण चोरड़िया,विमल नागोरी के साथ ही नगरपालिका नीमच के स्वास्थ्य अधिकारी दिनेश टांक,भरत सरसवाल, दीपक टांक, सुनील चारण, संदीप खरे, मधुबाई दावरे, मीराबाई सरसवाल आदि श्रमदान कर सहभागिता निभाई उक्त जानकारी संस्था के सुकुमार आगार ने दी है, किशोर बागड़ी अध्यक्ष संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था नीमच

सपा के विधान परिषद सदस्य शाहनवाज खान ने सदन में उठाया चिकित्सकों की कमी का मुद्दा

गौरव सिंघल। सिटी चीफ सहारनपुर। सपा के विधान परिषद सदस्य शाहनवाज खान ने सदन में चिकित्सकों की कमी का मुद्दा उठाया है। उन्होंने आयुष्मान कार्ड बनाने के मानक तब्दील करने की भी मांग की है। विधान परिषद में शाहनवाज खान ने कहा कि प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों और सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की भारी कमी है। सरकार वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज की नीति पर चल रही है, जो अच्छी बात है, लेकिन पहले डॉक्टरों की कमी को दूर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शेखुल हिंद मौलाना महमूद हसन मेडिकल कॉलेज की बिल्डिंग अच्छी बनी है, लेकिन सुविधाओं और स्टॉफ की कमी है। उन्होंने आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए परिवार में अधिक सदस्य होने की नीति पर तंज कसते हुए कहा कि सरकार को इसे बदलने पर विचार करना चाहिए।

चौकी बिलहरी थाना कुठला पुलिस द्वारा ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुमशुदा बालिका को ग्वालियर से किया दस्तयाब

अपहरण करने वाला आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

याह्या खान । सिटी चीफकटनी, पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय जिला कटनी श्री अभिजीत रंजन जी द्वारा अपहृत बालक / बालिकाओ की दस्तयाबी हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर संतोष डेहरिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमति ख्याति मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना कुठला के अपराध में गुमशुदा बालिका को ऑपरेशन मुस्कान के अंतर्गत दस्तयाब किया गया है। दस्तयाबी उपरांत अपहृत बालिका से पूछताछ की गई जिसके द्वारा बताया गया कि आकाश चौधरी पिता राम दास चौधरी निवासी बिलहरी थाना कुठला जिला कटनी के द्वारा गलत काम करना बताई जिसके बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश की और आरोपी आकाश चौधरी पिता राम दास चौधरी निवासी बिलहरी थाना कुठला जिला कटनी को गिरफ्तार किया गया है तथा अपहृता को उसके परिजनो के सुपुर्द किया गया।

पुलिस कार्यवाही मे विशेष भूमिका:- थाना प्रभारी कुठला निरीक्षक राजेन्द्र मिश्रा,चौकी प्रभारी बिलहरी उप निरीक्षक सुयश पाण्डेय उप निरीक्षक मेघा मिश्रा, सउनि दामोदर राव,सउनि राम सिंह, प्रआर रमाकांत तिवारी,प्रआर भरत विश्वकर्मा, आर. सौरभ जैन,विकास कुमार,दिलकेश्वर की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

किसानों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए उपार्जन केन्द्रों पर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए - कलेक्टर

नर्मदापुरम

गोदाम का सत्यापन आगामी एक सप्ताह में सुनिश्चित करे जिला उपार्जन समिति

जिला उपार्जन समिति की बैठक संपन्न आगामी रबी विपणन वर्ष के लिए जिले में गेहूं एवं चने के उपार्जन के लिए जिला उपार्जन समिति की बैठक कलेक्टर सोनिया मीना की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें आगामी उपार्जन कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अगले एक सप्ताह के भीतर सभी गोदामों का सत्यापन सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए समस्त अनुविभागों में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के साथ टीमें गठित कर सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कराई जाए। कलेक्टर सुश्री मीना ने उपखंड स्तरीय समिति, समिति प्रबंधकों एवं सर्वेर्स का प्रशिक्षण शीघ्र आयोजित करने के निर्देश दिए। साथ ही, उपार्जन में शामिल एजेंसियों का समयानुसार निर्धारण करने पर भी जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी उपार्जन केंद्र पर बारदाने की कमी नहीं होनी चाहिए, तथा पंखा, छन्ना, मॉइश्चर मीटर की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने बैठने की उचित व्यवस्था, छाया, पेयजल एवं शौचालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा कलेक्टर सुश्री मीना ने निर्देशित किया कि फलों, दलहन और तिलहन फसलों की गिरदावरी कार्यवाही भी शासन के निर्देशानुसार कराई जाए। बैठक के दौरान अप संचालक कृषि जे आर हेडाऊ, जिला आपूर्ति नियंत्रक सहित उपार्जन समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अलीराजपुर में(सोरवा रोड पर) रोड निर्माण में साइट शोल्डर पर अनुबंध के विपरीत काली मिट्टी युक्त पुराने मकानो का वेस्ट मटेरियल डाला जा रहा चेक कौन करेगा

लोकनिर्माण से लोक कल्याण क्या ऐसे ही होगा

अलीराजपुर अलीराजपुर से सोरवा अंधारकाच मार्ग की लंबाई 13 . 45 किलोमीटर है कार्य की लागत अनुबंध राशि 1687 .23 लाख रुपए है जिसका कार्य सुरेश कुमार गुप्ता किला जोबट मार्ग ठेकेदार द्वारा 18/11/ 2022 से किया जा रहा है कार्य को 17 /11 /2024 को अनुबंध के अनुसार पूर्ण करना था जो कि नहीं किया गया है अभी कार्य प्रगति पर है कार्य पूर्ण होने के पहले ही साइन बोर्ड पर कार्य पूर्णता की तिथि लिख दी गई है आम नागरिक बोर्ड को पढ़कर ऐसा समझते हैं की कार्य पूर्ण हो चुका है वही ग्रामीणों में यह चर्चा है कि अभी वर्तमान में कोस्बा से केल और चांदर मूली गांव तक का निर्माण कार्य प्रगति पर है पूर्ण नहीं हुआ है सोरवा रोड के साइड शोल्डर पर दोनों साइड फॉरेस्ट ऑफिस के सामने अलीराजपुर में निगरानी के जहां कैमरे लगे हुए हैं उन कमरों के नीचे ही साइड शोल्डर पर काली मिट्टी युक्त पुराने मकान का वेस्ट मटेरियल डाला गया दिख रहा है जिससे कि आने वाले समय में पूरी काली मिट्टी पानी में बह जाएगी और कीचड़ होने से गाड़ियां फिसल कर रोड से नीचे भी जा सकती है जिससे कि कभी भी बड़ी जनहानि हो सकती है अनुबंध के अनुसार ठेकेदार को 12 सीबी आर की मिट्टी साइड में डालकर शोल्डर को मजबूत करना चाहिए पर ऐसा नहीं किया गया है सबसे बड़ी बात यह है की जिला मुख्यालय में जहां पर सोरवा रोड पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं उन कैमरा के सामने ही बेखौफ होकर पुराने मकान का मटेरियल डाला गया है जब इस संबंध में लोक निर्माण विभाग के अनु विभागीय अधिकारी एस एस पटेल से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया की अगर अनुबंध के अनुसार साइट शोल्डर पर 12 सीबी आर की मुरूम युक्त मिट्टी नहीं डाली गई है तो सारा मटेरियल वापस उठा दिया जाएगा और रोड के दोनों साइट शोल्डर पर अनुबंध के अनुसार ही 12 सीबी आर की मिटटी डलवा कर शोल्डर कंप्लीट किए जाएंगे कार्य पूर्ण होने में अभी 3 से 4 माह और लगा सकते हैं ऐसा आम नागरिकों का कहना है उसके पहले ही ठेकेदार द्वारा साइन बोर्ड पर अनुबंध के अनुसार कार्य पूर्णता की तिथि लिखना कहां तक उचित है जबकि लिखा ऐसा जाना चाहिए कि *अनुबंध के अनुसार कार्य 17 11.2024 को पूर्ण होना था*क्यों कि कार्य तो अभी प्रगति पर है ताकि भविष्य में कार्य पूर्ण होने पर कार्यपूर्णता की तिथि यहां पर लिखकर परफॉर्मेंस गारंटी की अवधि जो की 5 वर्ष है उस अवधि तक ठेकेदार के द्वारा सेवाएं ली जा सके अन्यथा इस बोर्ड के अनुसार परफॉर्मेंस गारंटी की अवधि 17 /11/ 2029 को पूर्ण हो जाएगी आने वाला समय ही बताएगा कि बोर्ड पर जो अभी तारीख लिखी गई है कार्य पूर्ण होने के बाद में वह नई तारीख लिखी जाती है या नहीं

शिवरात्रि के बाद नर्मदा तटो पर अपशिष्ट फैले, जिम्मेदार नहीं करवा रहे हैं सफाई

खरगोन

नर्मदा तट पर कचरा देश के प्रधानमंत्री स्वच्छ भारत मिशन के तहत देश को स्वच्छ बनाने के लिए स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं, और दूसरी ओर स्वच्छता अभियान की धज्जियां उड़ाई जाती है, ऐसा ही मामला जिले की कसरावद तहसील क्षेत्र के नर्मदा नदी किनारे शिवालयों मंदिरो पर महाशिवरात्रि पर्व पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी हुई थी,लाखो की संख्या में श्रद्धालु नावड़ातोड़ी घाट जो कि एक विशेष स्थान है, यहां पर भक्तों ने आस्था की डुबकी लगाई थी, वही दूसरे दिन नर्मदा नदी किनारे पर नारियल, पूजन सामग्री के अपशिष्ट (अनुउपयोगी) सामग्री फैली हुई हैं, खासकर के नावड़ातोड़ी नर्मदा किनारे पर अधिक अपशिष्ट (कचरा) फैला है, जो कि ग्राम पंचायत के अंतर्गत आता है, इस संबंध में संवाददाता और मीडिया कर्मियों द्वारा ग्राम पंचायत सचिव सायता आकृर्ती बड़ोले से दूरभाष के माध्यम से संपर्क करना चाहा तो उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया और न ही खबर लिखे जाने तक कॉल किया।

कलेक्टर ने उमरिया व नरसिंहपुर में बनाये गये परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण

कक्षा 10 वीं की बोर्ड परीक्षा गुरूवार से हुई प्रारंभ

नरसिंहपुर माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल की कक्षा 10 वीं की बोर्ड परीक्षा गुरूवार से प्रारंभ हुई। कक्षा 10 वीं का प्रथम प्रश्न पत्र हिंदी का रहा। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने शासकीय माध्यमिक विद्यालय उमरिया और तत्पश्चात सरस्वती शिशु मंदिर नरसिंहपुर में बनाये गये परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान केन्द्राध्यक्ष ने बताया कि शासकीय माध्यमिक विद्यालय उमरिया में बनाये गये परीक्षा केन्द्र में 200 परीक्षार्थियों में से कुल 199 विद्यार्थी मौजूद हैं और एक विद्यार्थी अनुपस्थित है। इसी तरह सरस्वती शिशु मंदिर नरसिंहपुर में बनाये गये परीक्षा केन्द्र में 310 परीक्षार्थियों में से 306 परीक्षार्थी मौजूद हैं और 4 परीक्षार्थी अनुपस्थित हैं। परीक्षा देकर आए विद्यार्थियों से परीक्षा और प्रश्न पत्र के बारे में पूछा विद्यार्थियों को तनावमुक्त होकर पेपर देने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती पटले ने सभी आवश्यक व्यवस्थाएं देखी और निर्देश दिए कि माध्यमिक शिक्षा मंडल के निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए परीक्षा को शांतिपूर्ण रूप से संपन्न करायें। उन्होंने निर्देश दिये कि मंडल की परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों की गोपनीयता सुनिश्चित करें।

थाना शुजालपुर मंडी पुलिस की बड़ी सफलता

सरकारी चावल से भरा ट्रक सहित कुल किमती 35 लाख रूपये का मश्रुका किया जप्त

शाजापुर शाजापुर- दिनांक 16.02.2025 को फरियादी हसीन उर्फ बाबु खां पिता यासीन खां निवासी आजादनगर शुजालपुर मंडी ने रिपोर्ट किया 800 बोरी चावल से भरा ट्रक क्रमांक एमपी 19 एच ए 9941 को हेप्पी फ्युल पम्प देहण्डी जोड़ शुजालपुर आष्टा रोड़ से अज्ञात आरोपी द्वारा चोरी कर ले गये है जिसकी रिपोर्ट पर थाना शुजालपुर मंडी पर अपराध क्रमांक 79/2025 धारा 303(2) बीएनएस का अज्ञात आरोपी के विरूद्ध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। अधीक्षक यशपालसिंह राजपूत एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टी.एस. बघेल जिला शाजापुर के निर्देशन में एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग शुजालपुर निमेश देशमुख के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी शुजालपुर मंडी द्वारा उक्त माल मशरूका की बरामदी हेतु एक विशेष पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस टीम द्वारा विवेचना के दौरान टेक्नीकल साक्ष्य एकत्रित किये एवं करीब 70-80 सीसीटीवी फुटेज चेक किये गये व आस पास के सभी मुखबिरो को सक्रिय किया गया। दिनांक 25.02.2025 को मुखबिर द्वारा सुचना मिली की चावल की बोरीयो से भरा हुआ ट्रक जो शुजालपुर पेट्रोल पम्प से चोरी हुआ है वह दुपाड़ा तरफ जा रहा है, जिसे गठित पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर दुपाड़ा बल्डी के पास दुपाड़ा कानड़ रोड़ पर पकड़ा गया एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया व अन्य दो आरोपी अंधेरे का लाभ लेकर मौके से फरार हो गये एवं पकड़े गये आरोपी ने अपना नाम आदिल पिता साबीर हुसेन निवासी तराना जिला उज्जैन का होना बताया एवं दो फरार के नाम शाकिर उर्फ पन्नी पिता सफीक पटेल एवं शाहरूख उर्फ गोलू पिता रउफ खां निवासीगण शुजालपुर के होना बताया गया। मोके पर शासकीय चावल की 735 बोरियो से भरा ट्रक कुल मश्रुका किमती 35 लाख रूपये का जप्त किया गया। अन्य आरोपीगण एवं शेष माल की तलाश जारी है। उक्त कार्य में निरीक्षक नर्मदा प्रसाद दायमा थाना प्रभारी शुजालपुर मंडी, उनि अंकित मुकाती, उनि विजय खत्री, प्रआर.93 निलेश आर्य, प्रआर. 158 आशीष वर्मा, आर.414 मनोज यादव, आर. जसवंत जाटव थाना लालघांटी शाजापुर एवं सायबर प्रभारी प्रआर. विकास तिवारी, आर. अनिल सक्सेना, आर. राजेश दांगी व आर. घनश्याम राजपूत की सराहनीय भूमिका रही है।

घर के अंदर चोरी के साथ ही घर के सामने खडी बोलेरो गाडी चोरी करने वाले शातिर चोर 24 घंटे में कोतवाली पुलिस की गिरफ्त में

चोरों की पतारसी पर किया गया था 5000 रूपयों का ईनाम घोषित

अलीराजपुर- पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास द्वारा बताया गया कि फरियादी रुपसिह पिता जोगडिया डावर निवासी टीचर कालोनी अलीराजपुर ने थाना कोतवाली पर रिपोर्ट दर्ज करवायी, कि दिनांक-24-25.02.2025 की रात में जब मैं व मेरी पत्नी सीता डावर शासकीय कार्य से भाबरा चले गये थे व अगले दिन सुबह जब पडोसी ने फोन कर बताया कि आपके घर का पीछे का ताला टूटा हुआ है तब मैं व मेरी पत्नि सीता हमारे घर टीचर कालोनी अलीराजपुर में आये व देखा तो मेरे घर का पीछे का ताला टूटा होकर घर में टेबल पर रखे पर्स में से नगदी रुपये 10,000/- चांदी का एक ब्रेसलेट नही था और घर में रखी बोलेरो गाडी की चाबी तथा घर के सामने रखी मेरी बोलेरो गाडी क्रमांक स्ब्क्69ए0660 नही थी । बोलेरो गाडी, चाँदी का ब्रेसलेट व नगदी 10,000/- रूपये कोई अज्ञात बदमाश चुराकर ले गया । रिपोर्ट पर थाना कोतवाली अलीराजपुर पर अपराध क्रमांक 98/2025 धारा 331(4),305(ए) ब्ह्दस् का पंजीबद्ध किया गया । अपराध की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास के नेतृत्व में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रदीप पटेल व अनुविभागीय अधिकारी अनुभाग अलीराजपुर अश्विनी कुमार के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी अलीराजपुर सोनू सिटोले के निर्देशन में टीम गठीत की गई । उक्त टीम के द्वारा विवेचना के दौरान पुलिस कन्ट्रोल रूम में लगे करीब 100 से अधिक सीसीटीव्ही कैमरे खंगाले गये साथ ही विवेचना में आये अन्य साक्ष्यों के आधार पर थाना क्षेत्र के पूर्व निगरानी बदमाश कलम उर्फ कमलिया पिता सुरसिंह निवासी लखनकोट व नितिन पिता संजय चौहान निवासी लखनकोट पटेल फलिया के अपराध में शामिल होने के साक्ष्य मिले जो उक्त दोनों आरोपियों को रतलाम तरफ भागते समय रास्ते मे ही पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया व आरोपियों के कब्जे से चोरी गयी बोलेरो किमती 100000/-(दस लाख रूपये), चाँदी का नया ब्रेसलेट कीमती 3000/-,व नगदी 5560 रूपये जप्त किये गये । आरोपी कलम के विरूद्ध पूर्व से 20 अपराध तथा आरोपी नितिन के विरूद्ध 13 अपराध पंजीबद्ध है। न्यायालय में उक्त आरोपियों की पूर्व के अपराधों में मिली जमानत के निरस्तीकरण की कार्यवाही भी की जावेगी । उक्त कार्यवाही में निरीक्षक सोनू सिटोले थाना प्रभारी कोतवाली, उपनिरीक्षक योगेन्द्र मण्डलोई, सउनि रामकुमार यादव, प्रआर सुनिल डुडवा, प्रआर दिलीप सायबर सेल, आर राहुल सायबर सेल, आर गंगाराम, आर नागरसिंह, आर अनिल, आर रविन्द्र बुन्देला, आर संतोष, आर सुरत, आर प्रकाश व आर अकरम मैडा का सराहनीय योगदान रहा ।

आबकारी विभाग झाबुआ द्वारा फिर बड़ी कार्यवाही आज 1.71 लाख रुपये से अधिक की अवैध शराब जप्त

रानापुर- जिले में अवैध मदिरा की बिक्री पर रोकथाम हेतु कलेक्टर झाबुआ, श्रीमती नेहा मीना एवं मुकेश नेमा उपायुक्त संभागीय उड़नदस्ता इंदौर द्वारा सतत कार्यवाही हेतु दिये गये निर्देशों के पालन में मदिरा धारण, परिवहन, चैर्यनयन एवं विक्रय के विरूद्ध श्रीमती बसंती भूरिया, ज़िला आबकारी अधिकारी झाबुआ के निर्देशन में दिनांक 27.02.2025 को मुखबिर की सूचना पर आबकारी की संयुक्त टीम द्वारा आबकारी वृत्त झाबुआ %ब% के ग्राम ढोल्यावड़ में मुखबिर द्वारा बताये स्थान मिलेश पिता रमेश अखाड़िया के घर पहुंचे रिहायशी मकान की विधिवत तलाशी लेने पर घर के अंदर एवं बाहर बैगपाईपर डिलक्स व्हिस्की 14 पेटी पाव, रॉयल स्टेग व्हिस्की 02 पेटी बोतल व 01 पेटी पाव एवं किंगफिशर बियर कैन 03 पेटी कुल 20 पेटी(कुल- 183.6 बल्क लीटर) अवैध मदिरा विधिवत जप्त कर कब्जे आबकारी लेकर आरोपी मिलेश पिता रमेश अखाड़िया के विरूद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 एवं संशोधित अधिनियम 2000 की धारा 34(1)(क), 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर मौके पर से गिरफ्तार किया गया तथा प्रकरण विवेचना में लिया गया उक्त कार्यवाही नवीन विधान के तहत विडियोग्राफी व फोटोग्राफी कि गयी। उक्त जप्त मदिरा का अनुमानित बाजार मूल्य राशि रुपये 1,71,360/- है। उक्त कार्यवाही आबकारी उपनिरीक्षक विकास वर्मा द्वारा की गई एवं आबकारी उपनिरीक्षक अकलेश सोलंकी, रमेश सिसोदिया, योगेश सिसोदिया एवं प्रेमसिंह परमार व मुख्य आरक्षक कांतु डामोर, प्रकाश भाबर, आरक्षक मदन राठौड, श्रीराम शर्मा, मोहन नायक, अर्जुन नायक, पवन गाड़रिया, विजय चौहान, कुवरसिंह डावर, श्रीमती पुष्पा बारिया, विद्या डामोर का उल्लेखनीय योगदान रहा। जिले में अवैध मदिरा की बिक्री एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध आबकारी विभाग की निरंतर कार्यवाही कर रहा है।

शिवरात्रि के उपलक्ष्य में ग्राम नीमरानी में हुआ विशाल भंडारे का आयोजन

खरगोन जिले की कसरावद तहसील के ग्राम निमरानी में गुरुवार को महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें करीब 4000 लोगों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। आपको बता दे की इस भंडारे का आयोजन समाजसेवी कमल जोशी के द्वारा किया गया। जो कि पिछले 7 वर्षों से वे लगातार भंडारे का आयोजन करते आ रहे हैं। प्रतिवर्ष शिवरात्रि के दूसरे दिन भंडारा होता हैं जिसमें आसपास के क्षेत्र के 15 से 20 गांव से करीब 4000 लोग भंडारे में आकर भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर भोजन प्रसादी ग्रहण करते हे। भंडारा सुबह से लेकर शाम तक निरंतर चलता रहा जिसमें महिला , पुरुष सहित बच्चों ने भी आनंद लिया। कार्यक्रम में मदन जोशी , प्रीतेश जोशी , पिंटू जोशी का विशेष योगदान रहा।

विशाल भंडारे का आयोजन, हजारों भक्तों ने किया प्रसादी ग्रहण

हुआ निमाड़ी भजन संध्या का आयोजन

खरगोन प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर कसरावद नगर के श्री गांगलेश्वर महादेव मंदिर में गुरूवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।एवं भजन संध्या निमाड़ी कलाकारों के द्वारा प्रस्तुति दी गई। विशाल भंडारे का आयोजन शाम 4:00 बजे से शूरु होकर देर शाम चलता रहा। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। उसके बाद भजन संध्या का आयोजन हुआ और लोगों ने भजन संध्या का आनंद लिया।

ग्राम बालसमुद के पास मिनी ट्रक में लगी आग

खरगोन

चालक ने कूदकर बचाई जान,कोई जनहानि नहीं

कसरावद थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बालसमुद-भीलगांव के बीच गुरुवार की दोपहर साढ़े तीन बजे के करीब अचानक चलती मिनी ट्रक में आग लग गई,जैसे ही चालक ने केबिन में धुआं देखा,वाहन को सड़क किनारे खड़ा कर कूद कर जान बचाई, सूचना मिलते ही पुलिस सहायता केंद्र के आरक्षक मुकेश कनेल मौके पर पहुंचे और फायर ब्रिगेड को सूचना दी,कसरावद से फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई तब तक टायर सहित पूरा कैबिन जलकर खत्म हो चुका था,पुलिस ने बताया कि मिनी ट्रक बालसमुद निवासी अरबाज पिता चिराग खान(मेवाती) की है मिनी ट्रक बालसमुद से खंडवा की ओर जा रही थी और यह घटना हो गई जिसमें कोई जनहानि नहीं हुई, फिलहाल घटना का कारण अज्ञात है।

महाशिवरात्रि पर सेवा भारती की अनुपम सेवा - मेलें में स्वास्थ्य शिविर लगाकर निःशुल्क दवाई की

झाबुआ सेवा भारती के जन सेवक ग्रामीण अंचल में अपनी अनुपम सेवा देकर आदिवासी समुदाय में जागृति लाने के प्रयास कर रहे है। सेवा भारती द्वारा संचालित जनजाति सशक्तिकरण केंद्र बड़ा घोसलिया द्वारा भी कई सेवा कार्य संचालित किए जा रहे है। उनके द्वारा स्वास्थ्य सेवा से संबंधित सभी प्रकार की जांच और विशेष रूप से सिकल सेल, एनीमिया हेतु आरोग्य वाहन गाँव-गाँव में चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में महाशिवरात्रि के पावन प्रसंग पर ग्राम राखड़िया, कालिया वीरान, पलासियापाड़ा में चल रहे मेले व विशाल भण्डारें में जाकर आरोग्य कैंप आयोजित किया गया जिसमें सेवा भारती आरोग्य प्रकल्प प्रभारी के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे चलित चिकित्सा वाहन प्रभारी डॉ. सुरेंद्र हाड़ा के नेतृत्व में डॉ. अरविंद झाड़, डॉ. हितेश कचोटिया द्वारा 200 से अधिक मरीजों की जांच कर उचित परामर्श दिया गया। कैंप में नि:शुल्क दवाइयों का भी वितरण किया गया जिसमें फार्मासिस्ट विपुल कचोटिया, लैब टेक्नीशियन रोहित हाड़ा, और नर्स दीदी के रूप में रेखा किशन मावी ने अपनी सेवा प्रदान की। तीनों गांव के स्वास्थ्य प्रभारी पारू, खुना व नवल भूरिया के साथ अक्षय पाटीदार, संजय कचोटिया ने स्वास्थ्य शिविर की समस्त व्यवस्था संभालते हुए ग्रामीणों को शिविर का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। आरोग्य भारती प्रमुख प्रदीप रुनवाल व किशन मावी ने बताया कि उक्त प्रकार की सेवाएं निरंतर जारी रहेगी व सेवा भारती के जन सेवक ज़िलें के हर गाँव फलियें में जाकर स्वास्थ्य सम्बन्धी प्रचार करते हुए आवश्यक स्थानों पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करेंगें।

सत्यम शिवम सुंदरम शिव ही शक्ति है, शिव ही जगत के देवाधिदेव महादेव है मयूरी धानक

झाबुआ

विश्व भर में महाशिवरात्रि महापर्व धूमधाम से मनाया

झाबुआ- इस कड़ी में थांदला में अनेक प्राचीन शिवालियौ मंदिरों में प्रातः काल से ही हजारों शिव भक्तों, व मन्दिर पूजारी यो ने मन्दिरो का विशेष साज-सज्जा विषेश भगवान महादेव शिवलिंगो सिंगार महा अभिषेक शिव स्त्रोत महा अनुष्ठान पूजा अर्चना अनेक शिवालियों में शिव विवाह में हजारों शिव भक्तों शामिल होकर महाआरती कर महा प्रसाद महाआरती का धर्म लाभ लिया

इस कड़ी में कंचन सामाजिक सेवा संस्थान संपूर्ण भारत भारतीय गौरक्षा वाहिनी भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा मध्यप्रदेश के प्रधान कार्यालय एमजी रोड स्थित पर संस्था कि राष्ट्रीय संचालक महिला मालवा प्रांत महाधिवक्ता महिला ब्लॉक अध्यक्ष एडवोकेट कुमारी मयूरी धानक राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष वर्षा परमार गोरक्षा प्रदेश महामंत्री अजा मोर्चे प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पार्षद राजू धानक गो संरक्षक राधेश्याम रावल आदि कार्यकताओं ने भगवान महादेव की विशेष अनुष्ठान महा अभिषेक पूजा अर्चना कर कार्यक्रम में शामिल हुए थांदला वार्ड क्रमांक 9 त्रिवेणी संगम महादेव मंदिर सुतरेटी रोड़, आयोजन समिति द्वारा शिव भक्तों ने जय घोष बम बम शिव लहरी बम बम बम शिव लहरी ,बाबा एक हमारा है , भव्य शिव बारात में सेंकड़ों शिव भक्तों ने शिव बारात में शामिल होकर बारातियों अगवानी करते हुए भव्य स्वागत करते हुए बाल गोपाल शिव पार्वती बने मन्दिर प्रवेश पर पूजा अर्चना कर महाआरती महाप्रसाद कि धर्म लाभ लिया , संपूर्ण अनुष्ठान विधिविधान से पंडीत राजेन्द्र भट्ट के द्वारा संपन्न कराया,

इस दौरान राजू धानक ने देशवासियों को महाशिवरात्रि बधाई शुभकामनाएं देते हुए केंद्र,व राज्य सरकार कि जनकल्याणकारी योजनाओं को लाभ लेने, लाभ पहुंचाने का संकल्प दिलाया, त्रिवेणी संगम आयोजन समिति के प्रकाश अरोड़ा संजय पंचाल सूनिल राठौड़ भगवान डांगरा कचरूमल राठोड़ अकलि धानक व समिति कि मातृशक्ति ने सफल आयोजन पर सभी दानदाताओं सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया।

जिन शासन गौरव उमेशमुनिजी की 93वीं जन्म जयंती तप आराधना से मनाई

बच्चों को मोबाइल की जगह गुरुदेव का साहित्य दे - जयन्तमुनि

झाबुआ

नगर में पधारें अणु-जिनेन्द्र शिष्यों के सानिध्य व यहाँ विराजित महासतियों के पावन सानिध्य में जिन शासन गौरव, जैनाचार्य पूज्य उमेशमुनिजी म.सा. अणु की 93वीं जन्म जयंती तप आराधना के साथ मनाई। इस अवसर पर आयोजित गुणानुवाद सभा में अणुशिष्य प्रवर्तक श्री जिनेन्द्रमुनिजी के आज्ञानुवर्ती सरल स्वभावी पूज्य श्री जयन्तमुनिजी ने कहा कि थांदला तो सन्तों की भूमि है यहाँ से अनेक साधक आत्माओं ने अपने पुरुषार्थ से धर्म की प्रभावना की है। सभी साधकों की साधना अनुपम है। ऐसे में यहाँ धर्म के संस्कार होने के बाद भी साहित्य पढ़ने की रुचि प्राय: कम है। आज हम गुरुदेव को याद कर रहे है, उनके गुणों का स्मरण कर रहे है तो उनके आशीर्वाद रूप में पड़ा अनमोल साहित्य आज रत्नों के समान है। पूज्यश्री ने सबसे प्रश्न किया कि जैसे आपके पास रत्न का खजाना है व उसे कोई और ले जाये तो आपको कैसा लगेगा .. ? बस ऐसे ही गुरुदेव का यह साहित्य रत्न के समान है, जिससे अन्य संघ समाज व सम्प्रदाय के लोग प्रेरणा पा रहे है लेकिन हममें ही गुरु साहित्य पठन की रुचि नही जागी ऐसे में हमारा कल्याण नही हो पायेगा। पूज्य श्री ने कहा कि हम अपने बच्चों को मोबाइल तो दे देते है लेकिन गुरुदेव का साहित्य नही देते इससे हम उनका भी भविष्य खराब कर रहे है। आपने कहा कि जैसे किसी व्यक्ति की निंदा करने से कर्मों क बंध होता है जबकि इससे विपरीत गुरुदेव जैसे महापुरुषों के गुणानुवाद से कर्मों का क्षय होता है। अब यदि हमें अपनी आत्मा का विकास करना है तो गुरुदेव के साहित्य का निरंतर पठन शुरू करें। आज से प्रण ले कि हम प्रतिदिन कम से ज

कम एक पेज तो अवश्य पढेंगें। उन्होंनें खासकर युवा वर्ग को प्रेरणा देते हुए कहा कि वे भी अपने दैनिक जीवन के काम व्यापार व्यवसाय के बाद इसकी शुरुआत करें व अपने समय का एक भाग तो अपने गुरु के लिए दे ही सकते है ऐसे में वे शाम या रात में गुरुदेव के साहित्य पठन कर सकते है। अपने कहा कि जैसे महिलाएं अपने बच्चों को गृहकार्य में लगाती है, पुरुष वर्ग व्यापार आदि बाहरी कार्य में लगाते है वैसे ही वे अपने बच्चों को धर्म कार्य में लगाएं आपने दोनों कार्य की तुलना करते हुए कहा कि सांसारिक कार्य तो सावद्य क्रिया के है इनसे पाप का ही अर्जन होता है जबकि धर्म से कर्मों का विघटन होता है जिससे जीव शांति पाता है। धर्म सभा में गुरुदेव से प्रेरणा पाकर अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने सामूहिक रूप से गुरुदेव के साहित्य पढ़ने के प्रत्याख्यान भी ग्रहण किये। इस अवसर पर धर्म सभा में पूज्यश्री जिनांशमुनिजी ने कहा कि संसार में पद, पैसा, परिवार महत्वपूर्ण नही है जबकि सबसे महत्वपूर्ण है चारित्र। यह संसार में भी महत्वपूर्ण है तो धर्म में इसकी उपयोगिता कही अधिक है। आज से ढाई वर्ष पहले मेरी बात न आप सुनते थे नही घरवालें ही सुनते थे लेकिन आज अहो भाव से आप मेरी बात सुन रहे हो यह चारित्र की महत्ता है। आपने कहा कि गुरुदेव भी संसार त्याग करने के बाद ही महापुरुष कहलाये। आपकी साधना में समस्त सावद्य योगों का त्याग रूप सबसे पहले सामयिक आई फिर पाँच महाव्रतों का आरोपण कर छेदोपस्थापनिय चारित्र में प्रवेश किया व अपनी निर्मल आराधना से हम सबके भगवान बन गए। पूज्यश्री ने कहा कि माता-पिता हमें बड़ा करते है, संस्कार देते हैं वैसे ही गुरु हमें चारित्र निर्मल बनाने के उपाय बताते है। आज गुरुदेव हमारें बीच नही है लेकिन प्रवर्तक श्री जिनेन्द्रमुनिजी सहित उनकी शिष्य परंपरा है जो समय-समय पर गुरुदेव के वचन व्यवहार को बता कर हमें आराधना के सही प्रकार बतला रहे है। आपने अपने जीवन का एक प्रसंग सुनाते हुए कहा कि उदयपुर में वे अन्य सम्प्रदाय के संतों के दर्शन करने गए थे तब वे भी गुरुदेव का नाम सुन अभिभूत हो गए व हमें दर्शन देते हुए प्रेरक जिनवाणी फ़रमाई यह उनके नाम का ही प्रभाव था जो आज आप-हम सब महसूस करते है व जब कि कठिनाई व मुश्किल घड़ियों में उनके नाम का स्मरण करते है - जय गुरु उमेश - जय गुरु उमेश का जाप करते है हमें शांति का अनुभव होने लगता है यह सब पुण्य प्रभाव उनके अनुपम ज्ञान आराधना की वजह से होता है। इस अवसर पर पूज्याश्री निखिलशीलाजी म.सा. ने भी गुरुदेव का पुण्य स्मरण करते हुए उपकारी गुरुवर की गुणगाथा गाते हुए कहा कि फाल्गुन विदी अमावस्या को दुनिया में अनेक लोगों ने जन्म लिया होगा लेकिन जो अपने पुरुषार्थ से विशिष्ट कार्य करते है वही वीर कहलाते है व उनको जमाना याद करता है। गुरुदेव ने तो संयम लेने से पहले ही लेखक-कवि-पंडित के रूप में प्रसिद्धि पा ली थी किंतु दादा गरूदेव प्रवर्तक पूज्यश्री सूर्यमुनिजी के निकटता के बाद उनका जीवन संयम में रूपांतरित हो गया व वे हम सबके आराध्य बन गए। आपने कहा कि गरूदेव सम्मान-अपमान हर परिस्थिति में निस्पृह रहें व ऐसे ही अनेक गुण उनको महान बनाते है। आपका अनमोल साहित्य आज हम सबके ज्ञान का आलम्बन बन कर साधना हमारी साधना को निर्मल बना रहा है। पूज्याश्री दीप्तिजी म.सा. ने जन्मदिन मंगलम स्तवन के माध्यम से गुणानुवाद सभा का शुभारंभ किया वही गुरुभगवंतों के गुणानुवाद के पश्चात अणु आराधना मण्डल ने छम-छम बाजे पालनिया स्तवन के माध्यम से गुरुदेव को याद किया। श्रीसंघ अध्यक्ष भरत भंसाली ने संघ पर गुरूदेव के उपकारों को याद करते हुए उनकी अनुपम साधना का वर्णन किया। सभा का संचालन संघ सचिव प्रदीप गादिया ने व ललित जैन नवयुवक मंडल अध्यक्ष रवि लोढ़ा ने आभार माना।

गुरु भगवंत की जन्म जयंती पर विशेष आराधना *थांदला गौरव पूज्य श्रीउमेशमुनिजी के जन्म जयंती के साथ पक्खी पर्व का दोहरा प्रसंग होने से संघ में आज का दिन जैन संघ के लिए खास बनकर आया जानकारी देते हुए संघ प्रवक्ता पवन नाहर, अणु संयत समिति संचालिका स्वीटी जैन, गरिमा श्रीश्रीमाल ने बताया कि आज वर्षीतप आराधकों के साथ अन्य आराधकों ने भी उपवास तप की आराधना की वही अणु संयत समिति द्वारा 12 घन्टें के नवकार महामंत्र के जाप व पाँच-पाँच सामयिक करने का लक्ष्य दिया गया जिसमें शामिल सभी आराधकों को उनकी तरफ से प्रभावना प्रदान की गई।*

छात्रावास पहुंचा निरीक्षण दल

सभी से लिए अलग अलग कथन छात्राओं से भी की बात

उज्जैन

चापाखेड़ा ने शासकीय नेताजी सुभाष छात्रावास में चल रही आपसी खींचतान और बच्चों के भोजन में बाल और कीड़े निकालने की शिकायतो के बाद उज्जैन से गठित दल जिसमें खाचरोद नायब तहसीलदार जी एस परिहार, कमठाना हाई स्कूल प्राचार्य श्रीमतीरजनी नंदनवाल, उन्हेल जनशिक्षक आनंद मीणा का तीन सदस्य का जांच दल गठित किया था जांच दल के सदस्यों के साथ खाचरोद बीआरसी पुष्पराज तिवारी भी जांच के लिए पहुंचे ! जांच दल के सदस्यों के द्वारा छात्रावास में चल रही समस्या के संबंध में वार्डन, सहायक वार्डन, रसोई बनाने वाले के सरपंच से भी लिखित में कथन लिए, वही छात्रावास की छात्राओं से भी चर्चा करते हुए उनकी समस्याओं को सुना ! ज्ञात हो कि चापाखेड़ा छात्रावास में छात्राओं के द्वारा अपने भोजन में सिर के बाल और कीड़े निकले कि शिकायत की गई थी जिसके बाद लगातार जांच का दौर चल रहा है ! कल जो जांच के लिए जो दल पहुंचा इसमें दल के द्वारा छात्रावास में चल रही समस्त गतिविधियों की सूक्ष्मता से जांच की, बच्चों के खाने में प्रयोग होने वाली समस्त सामग्री की जांच भी की ओर तहलदार परिहार ने बच्चों के खाने की सामग्री को स्वय खाकर चेक किया ओर बताया कि खाने में प्रयोग होने वाली सामग्री तो ठीक है !

छात्राओ से की चर्चा दी समझाईस जांच के लिए पहुंचे दल में जीएस परिहार ने छात्रावास की बालिकाओं से जिसमें कक्षा 6टी, 7वी ओर 8वी को छात्राओं से अलग से चर्चा की, ओर छात्राओं से उनकी समस्या के बारे में पूछा ओर यह भी पूछा कि क्या आपको वार्डन, सहायक वार्डन, या रसोई बनाने वाले से कोई समस्या है इस पर छात्राओं ने बताया कि किसी से कोई समस्या नहीं है यह बताया, इसके बाद परिहार ने छात्राओं को समझाइश भी दी कि हमें किसी के प्रलोभन में नहीं आना है और अपने विवेक से कार्य करना है ! परिहार ने बच्चों को यह समझाएं इसलिए दी होगी क्योंकि छात्रावास की बालिकाओं का एक वीडियो वही की सीसीटीवी फुटेज में आया था जिसमें कुछ छात्राएं स्वयं ही अपने भोजन में बाल डालने के बाद उसकी शिकायत कर रही है सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ था जिस पर परिहार समझ गए की इन बालिकाओं को ऐसा करने के लिए किसी ने उकशाया होगा, जिसपर परिहार ने उन्हें समझाइश देते हुए अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने की बात कही !

3 बार पहले हो चुकी जांच चापाखेड़ा छात्रावास के बच्चों के द्वारा अपने भोजन के बाल और कीड़े निकले कि शिकायत के बाद एक बाद स्कूल से संकुल प्राचार्य, जनशिक्षक, के द्वारा जांच की गई, जिसके बाद खाचरोद बीआरसी से जांच के लिए दल पहुंचा था, जिसके बाद उज्जैन से जांच दल पहुंचा था पर अब जिला स्तर से दल गठित हुआ जो चौथी बार जांच के लिए पहुंचा और सभी से अलग अलग कथन लिए !

पति प्यार से दे रहा था हाईफाई तोहफा, पत्नी ने ठुकराया तो उसने लाखों की गाड़ी कूड़ेदान में फेंक दी

इंटरनेशनल डेस्क: कई बार शादीशुदा जीवन में समस्याएं आती हैं, और जब रिश्तों में खटास आ जाती है, तो लोग उसे सुधारने की कोशिश करते हैं। कुछ लोग अपनी शादी को बचाने के लिए कोई बड़ा कदम उठाते हैं, लेकिन कभी-कभी वही कदम उलटा पड़ जाता है। रूस में एक ऐसी ही घटना सामने आई है, जिसमें एक पति ने अपनी पत्नी को सरप्राइज देने के लिए 27 लाख रुपये की कार खरीदी, लेकिन अंत में वह गिफ्ट पत्नी को अपमानजनक लगने के कारण ठुकरा दिया और मामला और भी बिगड़ गया।

कैसे शुरू हुआ यह मामला?

यह घटना रूस की राजधानी मॉस्को के पास स्थित मायटिश्ची इलाके की है। यहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के साथ चल रहे रिश्ते को सुधारने के लिए एक आखिरी कोशिश की। पति ने सोचा कि वैलेंटाइन डे के अवसर पर अपनी पत्नी को एक शानदार उपहार देकर उसे खुश किया जाए, और उसने इसके लिए एक पोर्श मैकन कार खरीदी। इस कार की कीमत लगभग 3 मिलियन रूबल (करीब 27 लाख रुपये) थी। हालांकि, यह नई कार नहीं थी; यह पहले ही एक एक्सीडेंट का शिकार हो चुकी थी और क्षतिग्रस्त थी।

क्या था पति का प्लान? पति का विचार था कि वह कार को ठीक करवा कर अपनी पत्नी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) पर गिफ्ट देगा, लेकिन उसने वैलेंटाइन डे से पहले ही यह सरप्राइज देने की योजना बनाई। वह सोचता था कि इस तोहफे से पत्नी को खुश किया जा सकेगा, लेकिन जब उसने कार को पत्नी के सामने पेश किया, तो मामला पूरी तरह से उलटा पड़ गया।

पत्नी ने गिफ्ट क्यों ठुकरा दिया? जब पत्नी ने देखा कि कार टूटी-फूटी है और पुरानी है, तो उसे यह अपमानजनक लगा। उसने यह गिफ्ट लेने से मना कर दिया और सीधे तौर पर कहा कि वह ऐसी कार को नहीं चाहती। पत्नी का कहना था कि उसे ऐसी चीज़ों से ज्यादा महत्वपूर्ण अपने रिश्ते की गरिमा और सम्मान चाहिए।

क्या हुआ फिर?

अपमानित महसूस करने के बाद, पति ने गुस्से में आकर कार को कूड़ेदान में फेंक दिया। यह कार अब 15 दिन से अधिक समय से कूड़ेदान में पड़ी हुई है। स्थानीय लोग इस घटना को लेकर हैरान हैं और इस कार को देखने के लिए वहां पहुंच रहे हैं, यहां तक कि कुछ लोग इसके साथ सेल्फी भी ले रहे हैं। लोग यह देखकर चकित हैं कि आखिर इस महंगी और बड़ी कार को कूड़ेदान में कैसे रखा गया।

अब क्या होगा इस कार का? कूड़ेदान में पड़ी यह कार अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गई है। लेकिन यह सवाल उठ रहा है कि आखिरकार इस कार का क्या किया जाएगा। क्या इसे वापस लौटाया जाएगा या इसे नष्ट कर दिया जाएगा, इस पर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं आई है।

सोशल मीडिया पर भी इस घटना को लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। लोग इस फैसले पर सवाल उठा रहे हैं कि क्या रिश्ते में ऐसी भव्यता और महंगे तोहफे सच में सुधार ला सकते हैं, या फिर रिश्ते में समझ, सम्मान और प्यार की अधिक जरूरत होती है।

चीन के बर्फीले पहाड़ों में 10 दिन तक फंसा रहा युवक, टूथपेस्ट खाकर बचाई जिंदगी

नेशनल डेस्क. चीन के शांक्सी प्रांत में स्थित विवनलिंग पर्वत श्रृंखला में एक युवक 10 दिन तक फंसा रहा। इस दौरान उसे कड़ाके की सर्दी, खाने की कमी और शारीरिक चोटों का सामना करना पड़ा। युवक ने अपनी जान बचाने के लिए टूथपेस्ट खाकर जिंदा रहने की कोशिश की। आखिरकार, एक रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान उसे बर्फीले पहाड़ों से सुरक्षित निकाला गया।

सोलो हाइकिंग के दौरान हुई परेशानी

यह घटना 8 फरवरी को हुई जब 18 साल का युवक, सुन लियांग, शांक्सी प्रांत के विवनलिंग पर्वत श्रृंखला की ओर सोलो हाइकिंग (एकल यात्रा) पर निकला। यह इलाका अत्यंत दुर्गम और बर्फीला है, जहां वनस्पतियों से ढकी ऊंची पर्वत श्रृंखलाएं हैं। सुन के पास कुछ इलेक्ट्रॉनिक उपकरण थे, लेकिन बैटरी खत्म हो जाने के बाद वह अपने परिवार से संपर्क नहीं कर सका।

सर्दी और चोट के बीच संघर्ष

सुन लियांग ने पर्वत पर चढ़ाई करते वक्त फिसलकर अपना दाहिना हाथ फ्रेक्चर कर लिया। इस मुश्किल वक्त में उसने चट्टान के पीछे सूखी घास और पत्तियों से बिस्तर बना लिया। खाने का सामान भी खत्म हो चुका था और सर्दी इतनी कड़ी थी कि उसे अपनी जान बचाने के लिए टूथपेस्ट तक खानी पड़ी।

सुन के परिवार ने उसे ढूंढने के लिए प्रशासन से मदद मांगी। इसके बाद रेस्क्यू टीम ने विवनलिंग पर्वत पर आग लगाई ताकि धुआं देखकर सुन को मदद के लिए पुकारने का मौका मिल सके। जब धुआं देखा, तो सुन ने मदद के लिए शोर मचाया और उसे बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। यह पर्वत श्रृंखला पिछले दो दशकों में कई ट्रैकर्स के लिए मौत का कारण बन चुकी है। 50 से अधिक लोग इस इलाके में लापता हो चुके हैं या मारे जा चुके हैं।

प्रशासन ने 2018 में इस क्षेत्र में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन फिर भी कई लोग यहां ट्रैकिंग करते हैं। बताया जा रहा है कि सुन लियांग इस खतरनाक इलाके से बचाया गया पहला व्यक्ति है।

दिल्लीवालों के लिए खुशखबरी... हकीकत में बदलेगा सपना, रेखा सरकार देगी ये गुड न्यूज़

नेशनल डेस्क. दिल्लीवासियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। दिल्ली की नई सरकार और केंद्र सरकार मिलकर यमुना नदी की सफाई के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना पर काम कर रही है, जिसका उद्देश्य यमुना को फिर से स्वच्छ बनाना और इसके किनारे एक सुंदर रिवरफ्रंट विकसित करना है। यह योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वादे को पूरा करने के लिए तैयार की गई है। डबल इंजन सरकार इस कार्य को मिशन मोड में पूरा करने के लिए लगातार बैठकें कर रही है और जल शक्ति मंत्रालय ने इस पर तेजी से काम शुरू कर दिया है। इसके अलावा, इस योजना के तहत विशेषज्ञों से राय भी ली गई है, ताकि यमुना नदी की सफाई और रिवरफ्रंट विकास के कार्य को प्रभावी तरीके से किया जा सके।

दिल्लीवासियों से वादा किया था कि यमुना नदी को स्वच्छता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्लीवासियों से वादा किया था कि यमुना नदी को स्वच्छ किया जाएगा, और अब यह वादा साकार होता हुआ दिख रहा है। दिल्ली में नई सरकार के शपथ लेने से पहले ही यमुना सफाई की पहल शुरू हो गई थी। इस सप्ताह की शुरुआत में, सिग्नेचर ब्रिज के पास डीयूसी (डेड गेट) जैसी भारी मशीनरी तैनात की गई है, जो वासुदेव घाट की ओर बढ़ने वाली है। इसके साथ ही वासुदेव घाट पर एक ट्रैश स्किमर ने अपना काम शुरू कर दिया है। इसके अलावा, सिग्नेचर ब्रिज के पास एक वीड हार्वेस्टर भी तैनात किया गया है, जो नदी से जलकुंभी और अन्य अवशेषों को साफ करने में मदद करेगा। दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार, यमुना नदी के आईटीओ क्षेत्र में भी एक और वीड हार्वेस्टर तैनात किया गया है, जिससे नदी की सफाई का काम तेजी से किया जा सके। इन सभी प्रयासों से यमुना नदी की सफाई में काफी सुधार आने की उम्मीद जताई जा रही है। इसके अलावा, नदी के किनारे एक रिवरफ्रंट विकसित करने की योजना है, जिससे नदी के आसपास के इलाके को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सके।

यमुना की सफाई को लेकर योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने के बाद यमुना की सफाई को लेकर योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के बारे में उम्मीद जताई है। कोर्ट ने यह कहा कि अब हालात में बदलाव आएगा क्योंकि हरियाणा में भी भाजपा की सरकार है, और यमुना नदी इसी राज्य से होकर दिल्ली में बहती है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति भूषण आर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह आशा व्यक्त की कि अब हरियाणा और दिल्ली सरकारों के बीच कोई विवाद उत्पन्न नहीं होगा, जो पहले यमुना सफाई को लेकर उत्पन्न होते थे।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रदूषित नदियों के उपचार पर 2021 में स्वत: संज्ञान लेते हुए सुनवाई शुरू की थी। इस सुनवाई में खास तौर पर यमुना की सफाई पर जोर दिया गया था, क्योंकि यमुना में प्रदूषण के कारण राजधानी में पानी की कमी हो रही थी। दिल्ली सरकार ने यह भी कहा था कि यमुना में अमोनिया की मात्रा बहुत अधिक है, जिसे सफाई योजनाओं के जरिए नियंत्रित नहीं किया जा सका था। इसके परिणामस्वरूप दिल्ली में जल संकट की स्थिति पैदा हो गई थी।

हरियाणा राज्य में भी भाजपा की सरकार

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि दिल्ली और हरियाणा सरकारों के बीच सहयोग बढ़ाना जरूरी है, ताकि यमुना नदी की सफाई की योजना को प्रभावी रूप से लागू किया जा सके। हरियाणा राज्य में भी भाजपा की सरकार है, जिससे यह उम्मीद जताई जा रही है कि अब दोनों राज्यों के बीच यमुना सफाई को लेकर किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न नहीं होगा।

इजराइल में आतंकी हमला

हाइफा में कार से लोगों को रौंदा फिर चाकू से किया हमला

इंटरनेशनल डेस्क: इजराइल के हाइफा शहर में मंगलवार को एक बड़ा आतंकी हमला हुआ, जब एक कार ने पैदल चल रहे कई यात्रियों को टक्कर मार दी, जिसमें सात लोग घायल हो गए। यह हमला हाइफा शहर के दक्षिण में स्थित करकुर बस स्टैंड पर हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पुलिस ने इसे एक आतंकी हमला करार दिया है।

कार से हमला, फिर चाकू से वार

रिपोर्ट्स के अनुसार, आतंकियों ने पहले एक वाहन से यात्रियों को कुचला और फिर पास में खड़े लोगों पर चाकू से हमला किया। इस हमले के बाद इजरायल के आपातकालीन चिकित्सा सेवा अधिकारियों ने घटनास्थल पर त्वरित रूप से इलाज शुरू किया। मैगन डेविड, इजराइल के आपातकालीन चिकित्सा सेवा के एक अधिकारी, ने बताया कि उनकी टीम ने सात लोगों का इलाज किया है, जिनमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है। बाकी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

आतंकी हमले के बाद सुरक्षाबलों ने किया गिरफ्तार

इजराइल पुलिस ने इस हमले के कुछ घंटों बाद ही हमलावर को पकड़ लिया। आरोपी को हाइफा शहर के दक्षिणी इलाके करकुर में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि यह हमला फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास और इजरायल के बीच युद्धविराम के बावजूद हुआ है, जो स्थिति को और भी संवेदनशील बना देता है।

पड़ोसी देश में कांपी धरती

भूकंप के झटकों से सहमे लोग रिक्टर स्केल पर 6.1 रही तीव्रता

इंटरनेशनल डेस्क: शुक्रवार को सुबह नेपाल में 6.1 तीव्रता का भूकंप आया जिससे हिमालय क्षेत्र में कंपन महसूस किया गया। पटना और बिहार के आस-पास के इलाकों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, भूकंप नेपाल के सिंधुपालचोक जिले के भैरव कुंडा के आसपास सुबह करीब 2.35 बजे आया। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने भूकंप की तीव्रता 5.6 मापी, जबकि भारत के नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने इसकी तीव्रता 5.5 आंकी। हालांकि, यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि क्या कई भूकंप आए थे।

6.1 तीव्रता का भूकंप शक्तिशाली माना जाता है और इससे काफी नुकसान हो सकता है, खास तौर पर भूकंप के केंद्र के पास, जिसमें इमारतें हिलना और दरारें पड़ना शामिल है। शुक्रवार की भूकंपीय गतिविधि की सीमा का अभी पता नहीं चल पाया है और अभी तक किसी नुकसान या हताहत की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। लोगों ने पटना में भूकंप के कारण इमारतों और छत के पंखों को हिलते हुए दिखाने वाले वीडियो ऑनलाइन शेयर किए। एक एक्स यूजर ने बताया कि भूकंप के झटके लगभग 35 सेकंड तक रहे। इस साल जनवरी में, तिब्बत के हिमालयी क्षेत्र में छह सिलसलेवार भूकंप आए थे जिसमें सबसे शक्तिशाली 7.1 तीव्रता का था, जिसने 125 से अधिक लोगों की जान ले ली।

ट्रंप का बड़ा फैसला, 4 मार्च से मेक्सिको, कनाडा पर टैरिफ लागू, चीन पर 10% अतिरिक्त शुल्क

इंटरनेशनल डेस्क. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को एक बड़ा ऐलान किया है कि 4 मार्च से मेक्सिको, कनाडा और चीन पर उनके प्रस्तावित टैरिफ लागू होंगे। यह घोषणा ट्रम्प ने अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट में की, जिससे व्यापारिक जगत में हलचल मच गई है। इस फैसले के बाद, मेक्सिको और कनाडा से आयात पर 25त्न का टैरिफ और चीन पर अतिरिक्त 10त्न टैरिफ लागू होंगे। ट्रम्प प्रशासन ने 3 फरवरी को मेक्सिको और कनाडा से आयात होने वाले सामान पर 25त्न टैरिफ एक महीने के लिए रोक दिए थे। लेकिन हाल ही में प्रशासन के बयान से यह साफ नहीं हो पा रहा था कि यह टैरिफ फिर से लागू होंगे या नहीं। अब राष्ट्रपति ट्रम्प ने स्पष्ट किया कि 4 मार्च से यह टैरिफ पूरी तरह से लागू होंगे। ट्रम्प का कहना है कि अवैध ड्रग्स अभी भी मेक्सिको और कनाडा से अमेरिका में बहुत अधिक मात्रा में आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने अपनी सीमाओं की निगरानी बढ़ाने का वादा किया था, लेकिन स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। ट्रम्प का कहना है, हम इस संकट को अमेरिका को नुकसान पहुँचाने की अनुमति नहीं दे सकते हैं, और जब तक यह पूरी तरह से बंद नहीं हो जाता, या कम से कम गंभीर रूप से सीमित नहीं हो जाता, तब तक यह टैरिफ लागू रहेंगे। इसके साथ ही ट्रम्प ने चीन के खिलाफ भी एक और बड़ा कदम उठाया है। चीन पहले से ही अमेरिका से आयातित सामान पर 10त्न टैरिफ का सामना कर रहा है, लेकिन ट्रम्प ने घोषणा की कि 4 मार्च से चीन पर भी अतिरिक्त 10त्न टैरिफ लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कदम वैश्विक व्यापार को प्रभावित कर सकता है, लेकिन इसे जरूरी बताया है।

अप्रैल में लागू होगा टैरिफ

ट्रम्प ने यह भी साफ किया कि अप्रैल के महीने में लागू होने वाली दूसरी पारस्परिक टैरिफ तिथि पूरी तरह से लागू होगी, जिससे व्यापारिक रिश्तों पर और प्रभाव पड़ेगा। यह तिथि पहले से निर्धारित थी और अब इसे पूरी तरह से लागू किया जाएगा।

क्या होगा इसके प्रभाव?

व्यापार पर असर- ये टैरिफ अमेरिका के व्यापारिक रिश्तों पर असर डाल सकते हैं। मेक्सिको और कनाडा से आयात पर बढ़े हुए टैरिफ से अमेरिकी व्यापार महंगा हो सकता है। वहीं, चीन पर अतिरिक्त टैरिफ से वैश्विक व्यापार में असमंजस की स्थिति बन सकती है।

उपभोक्ताओं पर प्रभाव- इस कदम से अमेरिकी उपभोक्ताओं को महंगे उत्पादों का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि आयातित सामान पर बढ़े हुए टैरिफ का असर उनके खरीदारी पर पड़ेगा।

अर्थव्यवस्था पर असर- वैश्विक स्तर पर व्यापार युद्ध बढ़ने से विश्व की अर्थव्यवस्था पर भी नकारात्मक असर हो सकता है, क्योंकि चीन और अन्य देशों के साथ व्यापारिक रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569